राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,08 नवंबर 2022 वर्ष-5,अंक-281 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहाड़ों पर बर्फबारी, तो इन राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली। दिवाली के बाद से ही उत्तर भारत के राज्यों में हल्की-हल्की ठंड शुरू हो गई है। अब पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और बारिश भी होने लगी है, जिससे वहां रहने वाले लोगों को दोहरी मार पड़ रही है। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की शुरुआत हो चुकी है। उधर, मौसम विभाग ने दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर-लेह राजमार्ग बारिश और बर्फबारी के चलते बंद कर दिया गया है। मुगल रोड अभी भी बंद है। यातायात विभाग ने आज सुबह ट्वीट करके कहा, मुगल रोड और एसएसजी (श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी) रोड बर्फबारी के कारण वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। मौसम अधिकारी ने बताया कि बारिश के बीच मेहर, रामबन में रुक-रुक कर पथराव हुआ, इसके बावजूद श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग खुला रहा। रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात पूरे केंद्र शासित प्रदेश में बारिश और हिमपात हुआ। यह केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए ठंडी रात थी। कश्मीर घाटी के ग्रामीण इलाकों में तो बहुत ठंडी पड़ रही है।

कितना रहेगा आपके शहर का तापमान?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो वातावरण में आज भी स्मॉग छाया रह सकता है। न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है, जबकि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। गुजरात के अहमदाबाद में आज का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। आसमान पूरी तरह से साफ रहेगा। मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां पर भी आसमान साफ रहने वाला है। हालांकि, सुबह और रात के समय हल्की ठंड का एहसास हो सकता है। भोपाल का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

आदमपुर में कांग्रेस पर भारी पड़ी गुटबाजी, भूपेन्द्र हुड्डा को झटका और हाईकमान को संदेश

आदमपुर उपचुनाव की पूरी कमान भूपिंदर सिंह हुड्डा ग्रुप के हाथों में थी और कुमारी शैलजा जैसे वरिष्ठ नेता यहां प्रचार से भी गायब रहे। हार को हुड्डा को झटके और हाईकमान को संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

आदमपुर। देश के 6 राज्यों में 7 सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका लगा है। उसे तेलंगाना में मुनुगोदे सीट पर करारी हार झेलनी पड़ी है, जिसे उसने 37000 वोटों से जीता था। इसके अलावा हरियाणा की आदमपुर विधानसभा सीट पर भी कांग्रेस को हार मिली है, जो लंबे समय तक उसका गढ़ रही है। आदमरपुर सीट पर हार ने कांग्रेस की रणनीति और उसकी एकता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इसकी वजह यह है कि आदमपुर उपचुनाव की पूरी कमान भूपिंदर सिंह हुड्डा ग्रुप के हाथों में थी और कुमारी शैलजा जैसे वरिष्ठ नेता यहां प्रचार से भी गायब रहे। ऐसे में इस हार को भूपिंदर सिंह हुड्डा को झटके और हाईकमान को इस संदेश के तौर पर देखा जा रहा है कि अकेले हुड्डा कैंप के भरोसे हरियाणा में फतह मिलना मुश्किल होगा।

50 साल में पहली बार आदमपुर में खिला कमल

तीन साल पहले आदमपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने 29,000 वोटों से जीत हासिल की थी। लेकिन अब यहां भव्य बिश्नोई के भरोसे भाजपा को कमल खिलाने का मौका मिल गया है। इस चुनाव से दो संदेश मिले हैं। पहला यह कि बिश्नोई परिवार के भाजपा संग जाने से पूर्व सीएम भजनलाल का सपोर्ट बेस कांग्रेस से छिटककर भाजपा के पास चला गया है। 50 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार है, जब यहां से कमल खिला है। दूसरा संदेश यह है

कि पार्टी हाईकमान ने हुड्डा कैंप के हवाले हरियाणा कर दिया है और गुटबाजी के चलते संकट पैदा हो रहा है। ऐसे में उसे बैलेंस बनाना होगा ताकि कुमारी शैलजा समेत अन्य नेताओं को भी सक्रिय किया जा सके।

हुड्डा कैंप के हाथ थी कमान, मात पर उठ रहे हैं सवाल

कुछ महीने पहले ही हरियाणा में कुमारी शैलजा को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटवाने में सफलता पाने वाले हुड्डा कैंप के हाथों ही इस उपचुनाव की कमान थी। उनके करीबी उदयभान अब प्रदेश अध्यक्ष हैं और उनके कहने पर ही जयप्रकाश को आदमपुर से कांग्रेस का टिकट मिला था। इसके अलावा दीपेंदर सिंह हुड्डा कैंपेन की कमान संभाल रहे थे। ऐसे में इस हार ने हुड्डा कैंप की ताकत और सियासी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। कुमारी शैलजा दलित नेता हैं और उनकी हरियाणा में अच्छी पकड़ रही है। वहीं हुड्डा को जाट बिरादरी के नेता के तौर पर शुमार किया जाता है। ऐसे में कांग्रेस हाईकमान के आगे चुनौती होगी कि वह हुड्डा और शैलजा के बीच बैलेंस बनाकर चले।

शैलजा के अलावा सुरजेवाला भी दिखे गायब

आदमपुर में हार पर सवाल इसलिए भी खड़े हो रहे हैं क्योंकि यह सीट हिसार जिले में आती है, जो कुमारी शैलजा का गृह क्षेत्र है। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला भी चुनाव प्रचार में ऐक्टिव नहीं दिखे हैं। इससे साफ है कि कांग्रेस की अंदरुनी कलह उपचुनाव पर भारी पड़ी है।

मुंबई-ठाणे के बीच खुलेगी फिल्म सिटी

सीएम शिंदे ने कहा- लोक कलाकारों को बड़ा मंच देने की तैयारी

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के लोक कलाकारों को बड़ा मंच देने के लिए मुंबई और ठाणे शहर के बीच एक फिल्म सिटी बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार कलाकारों को एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए लगातार काम कर रही है। रविवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य सरकार मराठी रंगमंच और सिनेमा का समर्थन करेगी, इस मौके पर प्रसिद्ध मराठी रंगमंच अभिनेता प्रशांत दामले को उनके नाटक एक लग्नची गोश्त के 12,500 वें शो के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, ठाणे में भी बहुत सारी शूटिंग हो रही है, उन्होंने कहा कि

मुंबई और ठाणे के बीच 23 किलोमीटर की दूरी पर एक फिल्म सिटी की योजना बनाई जाएगी। नाटक सभागारों की स्थिति की समीक्षा और निरीक्षण करने और उन्हें सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रशांत दामले को पद्म पुरस्कार देने के लिए केंद्र को एक सिफारिश भेजी गई है। सीएम एकनाथ शिंदे ने मुंबई की अंधेरी (पूर्वी) विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की उम्मीदवार ऋतुजा लटके को जीत की बधाई दी। इस साल मई में शिवसेना विधायक और ऋतुजा लटके के पति रमेश लटके के निधन के कारण इस सीट पर उपचुनाव आवश्यक हो गया था जिसके लिए तीन नवंबर को मतदान हुआ था।

बिहार के सरकारी अस्पतालों में जल्द दूर होगी डॉक्टरों की कमी, संविदा पर तैनात होंगे एक्सपर्ट

पटना। बिहार के सरकारी अस्पतालों में एक्सपर्ट डॉक्टरों की कमी जल्द दूर होने वाली है। सरकारी अस्पतालों में खाली पड़े डॉक्टरों के पदों पर नियमित नियुक्ति होने तक संविदा पर एक्सपर्ट्स रखे जाएंगे। राज्य स्वास्थ्य समिति ने यह फैसला लिया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों में उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनकी पीएचसी, अनुमंडलीय एवं जिला अस्पतालों में सर्वाधिक जरूरत है। इस संबंध में विभिन्न जिलों से विशेषज्ञ डॉक्टरों के रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई है, ताकि उन पदों पर तत्काल बहाली की जा सके।

वहीं राज्य के अस्पतालों में डॉक्टर एवं पारा मेडिकल कर्मियों की नियमित नियुक्ति के साथ ही संविदा पर बहाली की प्रक्रिया भी साथ-साथ जारी है। नई बहाली की प्रक्रिया में प्रसूति एवं महिला रोग विशेषज्ञ एवं बाल रोग विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इनके अतिरिक्त हड्डी रोग विशेषज्ञ, सामान्य सर्जन (जनरल सर्जन) एवं एनेस्थीसिया की भी

● विशेषज्ञ डॉक्टरों में उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनकी पीएचसी, अनुमंडलीय एवं जिला अस्पतालों में सर्वाधिक जरूरत है। इस संबंध में विभिन्न जिलों से विशेषज्ञ डॉक्टरों के रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई है, ताकि उन पदों पर तत्काल बहाली की जा सके।

बहाली की जानी है।

जिला स्तरीय अस्पतालों में इन एक्सपर्ट डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को काफी परेशानी होती है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना (एनएचएम) के तहत विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहाली संविदा के आधार पर होगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना के तहत स्वास्थ्य कार्यक्रमों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मिलकर खर्च वहन किया जाता है।

मरीजों को रेफर नहीं करना पड़ेगा

डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने दो महीने पहले जिला अस्पतालों से मरीजों को मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रेफर किए जाने के सिलसिले को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाने के निर्देश दिए थे। विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में अब भी उनसे जुड़े रोगों के मरीजों को बड़े अस्पतालों में रेफर करने की प्रक्रिया जारी है। खासकर, एनेस्थीसिया, शिशु रोग एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों के नहीं होने के कारण बड़े ऑपरेशन नहीं हो पाते हैं। ऐसे में बच्चों और महिलाओं को इलाज के लिए बड़े शहरों या मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में भटकना पड़ता है। एक्सपर्ट डॉक्टरों की बहाली से मरीजों को रेफर करने का सिलसिला कम होने की संभावना है।

धुंध के साये में लिपटी रही दिल्ली की सुबह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में आज सुबह भी प्रदूषण के कारण धुंध छाई रही। देश के कई हिस्सों में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने 07, 09 और 10 नवंबर को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद के कई स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। अगले कुछ दिनों में अंडमान और

● मौसम विज्ञान विभाग ने 07, 09 और 10 नवंबर को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद के कई स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है।

निकोबार द्वीप समूह में हल्की भारी बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि 09 नवंबर के आसपास श्रीलंका तट से दूर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके 48 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम की ओर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ने की संभावना है। इस वजह से तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में भारी बारिश की संभावना है।

15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस'

स्कूलों में बिरसा मुंडा समेत वीर आदिवासी सेनानियों को किया जाएगा नमन

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय देश भर के स्कूलों के साथ-साथ उच्च शिक्षण संस्थानों में जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाएगा। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन समारोहों के दौरान स्कूलों-कॉलेजों में बिरसा मुंडा और उनके जैसे अन्य वीर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में बताया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने पिछले साल 15 नवंबर को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में जनजातीय गौरव

दिवस मनाने की घोषणा की थी। पंद्रह नवंबर बिरसा मुंडा की जयंती है, जिन्हें देश भर के आदिवासी समुदाय के लोग भगवान का रूप मानते हैं। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का उल्लेख करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों, अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थानों, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और केंद्रीय विद्यालय के सहयोग से शिक्षा मंत्रालय जनजातीय गौरव दिवस मनाएगा।

आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए शिक्षा मंत्रालय एआईसीटीई, यूजीसी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों, अन्य एचईआई, सीबीएसई, केवीएस, एनवीएस और स्किलिंग संस्थानों के सहयोग से जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि ये उत्सव आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को बताने, उनकी विरासत को आगे बढ़ाने और आदिवासी संस्कृति, कला और समृद्ध आदिवासी विरासत के संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे।

चीन के जासूसी जहाज युआन वांग-6 को भारतीय समुद्री क्षेत्र में घेरने को नौसेना तैयार

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना चीन के जासूसी जहाज युआन वांग-6 को एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देगी। एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन हिंद महासागर में 200 समुद्री मील तक फैला हुआ है। ओडिशा के तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से एक मिसाइल का परीक्षण होने से जासूसी जहाज के आने की सूचना से चौकन्नी नौसेना इससे पहले 2019 में पोर्ट ब्लेयर के पास चीनी शोध पोत शी यान 1 को भारत के ईईजेड से बाहर कर चुकी है। अगर युआन वांग-6 भारत के ईईजेड में प्रवेश करने की कोशिश करता है तो भारतीय नौसेना इस बार भी ऐसा ही करेगी। दरअसल, भारतीय नौसेना ने ओडिशा के तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से एक मिसाइल का परीक्षण करने के अपने इरादे से 10-11 नवंबर को बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक नो फ्लाई जोन बनाए जाने की घोषणा की थी। ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस स्पेशलिस्ट डेमियन साइमन के मुताबिक इस मिसाइल की फ्लाई रेंज 2,200 किलोमीटर की हो सकती है। इसलिए पश्चिम में श्रीलंका और पूर्व में इंडोनेशिया के बीच उस एरिया को ब्लॉक कर दिया गया है, जो मिसाइल की टेस्टिंग रेंज में है। इसी बीच मिसाइल परीक्षण से पहले चीन ने हिंद महासागर में अपना ताकतवर जासूसी जहाज युआन वांग-6 भेजा है। समुद्र में जहाजों की आवाजाही को ट्रैक करने वाली ऑनलाइन संस्था मरीन ट्रैफिक के मुताबिक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) का जासूसी जहाज युआन वांग-6 हिंद महासागर में प्रवेश कर चुका है और इस समय इंडोनेशिया के बाली तट से नौकायन कर रहा है। आशंका है कि इसे ओडिशा तट के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से भारत के मिसाइल परीक्षणों को ट्रैक करने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में भेजा गया है। चीन का यह जहाज आधिकारिक तौर पर अनुसंधान और सर्वेक्षण पोत के रूप में पंजीकृत है। हालांकि, युद्धपोतों सहित विदेशी जहाज ईईजेड के माध्यम से स्वतंत्र रूप से नौकायन कर सकते हैं, लेकिन भारतीय कानून किसी भी विदेशी जहाज को बिना अनुमति के सर्वेक्षण, अनुसंधान या अन्वेषण की मनाही करता है।

भारतीय नौसेना ने इसीलिए 2019 में पोर्ट ब्लेयर के पास पाए जाने पर चीनी शोध पोत शी यान 1 को भारत के ईईजेड से बाहर कर दिया था। इसे भी शोध पोत के रूप में चीन का जासूसी जहाज माना जाता है। भारतीय नौसेना के इस कदम से चीन के साथ राजनयिक

विवाद पैदा हो गया था। अब हिंद महासागर में चीनी जासूसी जहाज के आने की सूचना से भारतीय नौसेना फिर सतर्क है। अगर युआन वांग-6 भारत के ईईजेड में प्रवेश करने की कोशिश करता है तो भारतीय नौसेना इस बार भी ऐसा ही करेगी। इस पोत का गंतव्य किसी बंदरगाह के लिए नहीं बल्कि खुले समुद्र के लिए चिह्नित है और उसे वहीं तक सीमित रहना होगा।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि चीन के जहाज पर मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमानों की नजर है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह जहाज क्या ट्रैक कर रहा है, लेकिन हमारे ईईजेड में विदेशी सर्वेक्षण और अनुसंधान पोत को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। युआन वांग-6 जब तक अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में है, तब तक कोई कुछ नहीं कर सकता। हिंद महासागर में भारत का ईईजेड 200 समुद्री मील तक फैला हुआ है।बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ समुद्री सीमा साझा करने के बावजूद भारत अपने ईईजेड कानूनों को उन पर नहीं लागू नहीं कर सकता। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि हमारे पास क्षेत्र का सीमांकन करने के लिए सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखाएं हैं। अगर बांग्लादेश युआन वांग-6 को चटगांव में या श्रीलंका चीनी जहाज को हंबनटोटा पोर्ट पर डॉक करने की अनुमति देता है, तब भी वह हमारे समुद्र तट के बेहद करीब होगा और भारतीय गतिविधियां ट्रैक कर सकता है। दरअसल, श्रीलंका चीन के कर्ज में डूबा हुआ है। इसलिए उसे हंबनटोटा बंदरगाह चीन को पट्टे पर देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यही वजह है कि इस साल अगस्त में चीन के जासूसी जहाज युआन वांग-5 को भारत के विरोध के बावजूद हंबनटोटा में डॉक किया गया।

संपादकीय

सब के लिए एक-जैसा कानून कैसे ?

यह बात सुनने में तो बहुत अच्छी लगती है और इतनी तर्कसंगत भी लगती है कि कोई पार्टी या नेता इसका विरोध नहीं कर पाता। हाँ, कुछ कट्टर धर्मध्वजी लोग इसका विरोध जरूर करते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता है कि यह उनके धार्मिक कानून-कायदों का उल्लंघन है। यों भी संविधान सभा में सबके लिए समान कानून की धारणा को व्यापक समर्थन मिला था

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भाजपा राज्यों की सरकारें एक के बाद एक घोषणा कर रही हैं कि वे समान आचार संहिता अपने-अपने राज्यों में लागू करनेवाली हैं। यह घोषणा उत्तराखंड, हिमाचल और गुजरात की सरकारों ने की हैं। अन्य राज्यों की भाजपा सरकारें भी ऐसी घोषणाएं कर सकती हैं लेकिन वहां अभी चुनाव नहीं हो रहे हैं। जहां-जहां चुनाव होते हैं, वहां-वहां इस तरह की घोषणाएं कर दी जाती हैं। क्यों कर दी जाती हैं? क्योंकि हिंदुओं के थोक वोट कबाड़ने में आसानी हो जाती है और मुसलमान औरतों को भी कहा जाता है कि तुम्हें डेढ़ हजार साल पुराने अरबी कानूनों से हम मुक्ति दिला देंगे। यह बात सुनने में तो बहुत अच्छी लगती है और इतनी तर्कसंगत भी लगती है कि कोई पार्टी या नेता इसका विरोध नहीं कर पाता। हाँ, कुछ कट्टर धर्मध्वजी लोग इसका विरोध जरूर करते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता है कि यह उनके धार्मिक कानून-कायदों का उल्लंघन है। यों भी संविधान सभा में सबके लिए समान कानून की धारणा को व्यापक समर्थन मिला था लेकिन क्या वजह है कि आजादी को आए 75 साल बीत रहे हैं और देश में हर तरह की सरकारें बन चुकी हैं, फिर भी किसी सरकार की आज तक हिम्मत नहीं हुई कि वह देश के सभी नागरिकों के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों में एक तरह का कानून बना सके? संविधान की धारा 44 में कहा गया है कि राज्य की कोशिश होगी कि सारे देश के नागरिकों के लिए एक-जैसा कानून बने। इसके बावजूद सबके लिए एक-जैसा कानून इसलिए नहीं बना कि भारत विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, जातियों, कबीलों और परंपराओं का देश है। सारे हिंदू, सारे मुसलमान, सारे आदिवासी, सारे ईसाई भी शादी-विवाह और निजी संपत्ति के मामलों में अपनी-अपनी अलग-अलग परंपराओं को मानते हैं। जब एक तबके में ही एका नहीं है तो सब तबकों के लिए एक-जैसा कानून कैसे बन सकता है? जैसे आंध्र के हिंदुओं में मामा-भानजी के बीच शादी हो जाती है और जम्मू-कश्मीर के मुसलमानों पर शरीयत-कानून लागू नहीं होता। गोआ का अपना कानून है। वह सबके लिए एक जैसा है। हर सरकार दुविधा में पड़ी रहती है कि समान आचार संहिता लागू करें या न करें। भाजपा के लिए तो यह बड़ा सिरदर्द है, क्योंकि यह उसका मूलभूत चुनावी मुद्दा रहा है। भाजपा सरकार ने 2016 में विधि आयोग से भी इस मुद्दे पर राय मांगी थी। लेकिन उसकी राय भी यही है कि बिल्कुल एक-जैसा कानून सब पर नहीं थोपा जा सकता है लेकिन कई निजी कानूनों में काफी सुधार किया जा सकता है ताकि लोगों को सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार मिल सके और भारत के लोग अपनी सांप्रदायिक परंपराओं के अत्याचारों से मुक्त हो सकें। भारत सरकार को चाहिए कि देश के विधिवेत्ताओं, धर्मध्वजियों और विभिन्न परंपराओं के प्रामाणिक प्रतिनिधियों का एक संयुक्त आयोग स्थापित करे और उससे कहे कि वह 2024 के पहले अपनी संपूर्ण रपट राष्ट्र के विचारार्थ प्रस्तुत करे।

सूक्ति

द्वेष बुद्धि को हम द्वेष से नहीं मिटा सकते, प्रेम की शक्ति ही उसे मिटा सकती है।
- विनोबा भावे

फूल चुन कर एकत्र करने के लिए मत ठहरो। आगे बढ़े चलो, तुम्हारे पथ में फूल निरंतर खिलते रहेंगे। - रवींद्रनाथ ठाकुर

लॉफिंग ज़ोन

दरिया पार करते हुए एक बुढ़िया ने अपने विवाहित बेटे से पूछा - बेटा, अगर मैं और तुम्हारी पत्नी डूबने लगे, तो तू किसे बचायेगा?
लड़का परेशान हो गया, तो उसकी सुन्दर बीवी बोली- तुम मां को बचा लेना.
इस पर सास बहुत खुश हुई और पूछने लगी - पर तुझे क्यों नहीं?
बहू ने जवाब दिया - आप मेरी चिंता न करें. मुझे बचाने के लिए तो और बहुत से लोग दरिया में कूद पड़ेंगे.

☺ ☺ ☺

एक वृद्ध व्यक्ति ने एक कंपनी के दफ्तर में जाकर मैनेजर से कहा- आपके दफ्तर में मेरा लड़का काम करता है. क्या मै उससे मिल सकता हूं?
मैनेजर ने गौर से देखा और कहा- खेद है कि आप थोड़ी देर से पहुंचे. आपका अंतिम संस्कार करने की छुट्टी लेकर अभी-अभी गया है.

☺ ☺ ☺

वकील - तुमने सोहन को पानी में जहर मिलाकर क्यों दिया.
अभियुक्त - महाशय, उस दिन वह मेरे घर आया था और बोला कि ऐसा पानी पिलाओ कि मैं ठंडा हो जाऊं

☺ ☺ ☺

वकील - यह चोरी तुमने अकेले की या कोई और भी तुम्हारे साथ था?
चोर - मैने अकेले ही की. भला आज के जमाने में किसी पर भरोसा किया जा सकता है?

समतामूलक समाज के उन्नायक गुरुनानक देव

पाठशाला में वे शब्द के साधक बन अपने समय से बहुत आगे भविष्य को पढ़ रहे थे। परा विद्या से अक्षरों की वर्णमाला में उन्हें परमात्मा की एकता और उनके स्वरूप का रहस्य दिखाई देता था। उनकी आध्यात्मिक ऊंचाई को देख उनके गुरु और मुल्ला गुरु भी शिष्य बन गए। यज्ञोपवित संस्कार के समय वे कहते हैं की जनेऊ के लिए दया का कपास हो, उस दया रूपी कपास से संतोष रूपी सूत काता गया हो,साधना की गांठ हो। जैसे कर्म योगी कृष्ण ने गीता में उद्घाटित किया कि आत्मा को आग जला नहीं सकता, जल गला नहीं सकता, पवन उड़ा नहीं सकता उसी प्रकार जनेऊ ऐसा हो जो न कभी टूटे न कभी मैला हो और न कभी नष्ट हो।

(लेखक- डॉ. अशोक कुमार भार्गव)

सिख धर्म के संस्थापक आदि गुरु नानक देव जी मानवीय कल्याण के प्रबल पक्षधर थे जिन्होंने समकालीन सामाजिक राजनीतिक और धार्मिक परिस्थितियों की विसंगतियों विडंबनाओं, विषमताओं, धार्मिक आडंबरों,कर्मकांडों अंधविश्वासों तथा जातीय अहंकार के विरुद्ध लोक चेतना जागृत की और इसके साथ ही तत्कालीन लोदी और मुगल शासकों के बलपूर्वक मतांतरण तथा बर्बर अत्याचारों के विरुद्ध प्रखर राष्ट्र वाद का निर्भीकतापूर्वक क्रांतिकारी शंखनाद किया। उन्होंने विभिन्न उपमाओं, रूपकों ,प्रतीकों और संज्ञाओं से परिपूर्ण अमृतवाणी से एक ओंकार सतनाम, आध्यात्मिक पवित्रता ,सामाजिक समरसता, साम्प्रदायिक सद्भाव, कौमी एकत,बंधुता लैंगिक समानता ,नारी सम्मान के साथ ही भेदभाव रहित समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर अपने स्वतंत्र दृष्टिकोण से हिंदू धर्म को संगठित संघर्ष प्रदान किया। गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 में लाहौर के पास तलवंडी नामक स्थान में जो अब ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध है, हुआ था। इनके पिता पटवारी कालू मेहता और माता का नाम तृप्ता देवी था। वह बचपन से ही ईश्वरीय प्रतिभा से संपन्न दिव्यात्मा थे जो ध्यान, भजन, चिंतन, सत्य, अहिंसा, संयम और आध्यात्मिक विषयों में ही अधिक रूचि लेते थे। उनके जीवन की अनेक अलौकिक, असाधारण और चमत्कारिक घटनाएं हैं जो उनकी कर्म, भक्ति और ज्ञान साधना की महानता तथा अनासक्त भाव को प्रकाशित करती हैं। पाठशाला में वे शब्द के साधक बन अपने समय से बहुत आगे भविष्य को पढ़ रहे थे। परा विद्या से अक्षरों की वर्णमाला में उन्हें परमात्मा की एकता और उनके स्वरूप का रहस्य दिखाई देता था। उनकी आध्यात्मिक ऊंचाई को देख उनके गुरु और मुल्ला गुरु भी शिष्य बन गए। यज्ञोपवित संस्कार के समय वे कहते हैं की जनेऊ के लिए दया का कपास हो, उस दया रूपी कपास से संतोष रूपी सूत काता गया हो,साधना की गांठ हो। जैसे कर्म योगी कृष्ण ने गीता में उद्घाटित किया कि आत्मा को आग जला नहीं सकता, जल गला नहीं सकता, पवन उड़ा नहीं सकता उसी प्रकार जनेऊ ऐसा हो जो न कभी टूटे न कभी मैला हो और न कभी नष्ट हो। जिसने इस रहस्य को समझ लिया वही इस संसार में धन्य है। चरवाहे का कार्य करते समय वृक्ष के नीचे सो जाते हैं तब वृक्ष की छाया सूर्य से निरपेक्ष हो जाती है। नानक जी का मन बच्चों के साथ खेलने कूदने में नहीं लगता साधु संतों की संगति अच्छी लगती है। पिता कालू मेहता नानक के स्वास्थ्य की चिंता से वैद्य को बुलाते हैं। नानक जी वैद्य से कहते हैं कि मेरे शरीर में कोई विकार नहीं है। मेरा दर्द उस परमात्मा से न मिल पाने यानी वियोग से पैदा हुआ दर्द है। यदि इसकी कोई औषधि तुम्हारे पास हो तो ले आओ।

पिता नानक जी को सच्चा सौदा करने के लिए कम कीमत पर वस्तुएं खरीद कर अधिक कीमत पर बेचने के लिए कहते हैं किंतु नानक पिता के दिए पैसों से भूखे प्यासे साधु संतो को रसद खरीद कर दे देते हैं। उनकी दृष्टि में भूखे को अन्न देना ही सच्चा सौदा है। सुल्तानपुर लोदी में नौकरी करते हुए वह घर जोड़ने की माया से विमुख सारी तनख्वाह गरीबों और जरूरतमंदों को बांट देते हैं। उनके मन में नकार बिल्कुल नहीं है ।इसलिए वे विवाह के लिए हां करते हैं क्योंकि इसके लिए सामाजिक उत्तरदायित्व से पलायन न करते हुए गृहस्थ आश्रम में रहकर भी सच्चा धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन जिया जा सकता है। वे साधु होकर भी जन समाज में ही रहे उनके सुख-दुख में भाग लेकर उनसा ही जीवन व्यतीत करते रहे। मोदी खाने में एक दिन आटा तोलते समय तेरा तेरा अर्थात ईश्वर का करते हुए सारा आटा ही तोल दिया। नानक जी नदी में स्नान करने जाते हैं तो 3 दिन बाद एकाएक प्रकट होकर कहते हैं कि ÷न कोई हिंदू है ना कोई मुसलमान। मैं इंसान और इंसान के बीच कोई फर्क नहीं मानता। ईश्वर मनुष्य की पहचान उसके अच्छे गुणों से करता है न कि उसके हिंदू या मुसलमान होने के कारण।÷

एक काजी ने नानक को मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ने के लिए आदेश दिया नानक मस्जिद में गए जरूर लेकिन नमाज नहीं पढ़ी। शासक दौलत खान ने नमाज न पढ़ने के लिए नानक से पूछा तो नानक ने कहा कि मैं नमाज किसके साथ पढ़ता। आप भी तो नमाज नहीं पढ़ रहे थे आपका तो ध्यान तो कंधार में घोड़े खरीदने में था ।वही काजी इस चिंता में डूबे हुए थे कि कहीं घोड़ी का नवजात शिशु आंगन के कुएं में न गिर जाए। पांच वक्त की नमाज के बारे में पूछने पर नानक जी कहते हैं कि उसकी पहली नमाज सच्चाई है, ईमानदारी की कमाई दूसरी नमाज है, खुदा की बंदगी तीसरी नमाज है, मन को पवित्र रखना उसकी चौथी नमाज है और सारे संसार का भला चाहना उसकी पांचवी नमाज है ।जो ऐसी नमाज पढ़ता है वही सच्चा मुसलमान है। नानक की दृष्टि में किसी भी प्रकार की सामर्थ्य शक्ति या क्षमता प्राप्त करके एकांत में जा बैठना और उसका उपयोग समाज हित के लिए न करना कर्तव्य से विमुख होना है अपने दायित्वों से पलायन करना है। गुरु नानक जी ने लगभग 15 वर्षों तक भारत की चारों दिशाओं के प्रमुख स्थानों की यात्रा की ।अंत में अफगानिस्तान ईरान इराक अरब तक ले गए। इस दौरान उनकी अनुभूति की गहनता और अधिक प्रखर हुई। वे जीवन पर्यंत पांच प्रार्थनाओं सत्य,यथार्थ, ईश्वर के नाम पर दया, सद्विचार तथा ईश्वर की स्थिति और गुणगान के लिए समर्पित रहे। गुरु नानक जी कहते थे कि ऊंच-नीच और भेदभाव की अमानवीय प्रथा को समाप्त करना होगा उन्होंने सदैव इस बात पर बल दिया कि हम सब मिल जुल कर रहें की शिकायत ना करें और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करें ईमानदारी से परिश्रम कर अपनी आजीविका कमाई मिल बांट कर खाएं और मर्यादा पूर्वक ईश्वर का नाम जपते हुए आत्म नियंत्रण रखें किसी भी तरह के लोग अथवा लालच को त्याग कर परिश्रम और न्याय उचित तरीके से कर्मठता पूर्वक धन कमाए। उन्होंने सामाजिक सद्भाव और एकता के लिए एक ही धर्मशाला में एकत्रित होकर सामूहिक लंगर ,सामूहिक आराधना और सामुदायिक जीवन के आधार पर छुआछूत और अस्पृश्यता के विरुद्ध व्यापक चेतना जागृत की। वे लंगर में तब तक भोजन नहीं ग्रहण करते थे जब तक भोजन बनाने वाले और आंगन में झाड़ू लगाने वाले उनके साथ पंगत में आकर नहीं बैठ जाते थे। दीन दुखियों पीड़ितों निर्बलो उपेक्षितों और ठुकराए हुए जनों के उद्धारक नानक ने अछूत लालू की मेहनत की कमाई की रोटी से दूध और मलिक भागो के पकवान से जो झूठ फरेब घूस और बेईमानी से बना था, खून टपका कर कहा कि वह व्यक्ति ऊंचा है जो अपनी मेहनत की कमाई खाता है और उसी में से कुछ गरीबों को दान करता है। उनका विश्वास है कि गुरु कृपा से ईश्वर को अपने अंतस में प्रतिष्ठित करें तभी ईश्वर दर्शन संभव है। यह संसार जो ईश्वर का ही मंदिर है जो गुरु के बिना अंधकारमय है। नानक की दृष्टि में सृष्टिकर्ता एक है परंतु उनके रूप अनेक हैं वे आदि अनादि मृत्यु और पुनर्जन्म से मुक्त है। स्वयं की कोई इच्छा न रखते हुए ईश्वर की इच्छा के अनुरूप आचरण करना ही उस परम सत्ता को प्राप्त कर लेने का एकमात्र विकल्प है। सुख-दुख में फंसा हुआ इंसान संसार का संपूर्ण वैभव समर्पित करने के बाद भी कोई सुख या आनंद नहीं खरीद सकता क्योंकि सृष्टि के सभी पदार्थों का प्रकटीकरण ईश्वर की इच्छा का ही अस्तित्व है। वह सृष्टि का रचनाकार और संहारक भी हैं जीवन देने वाला और जीवन लेने वाला भी है। ईश्वर की उदारता असीम, दया करुणा अप्रतिम और आज्ञा अनुपमेय है। उनकी अनुकंपा के बिना मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती। वे ईश्वरीय प्रतिभा से संपन्न दिव्यात्मा थे जिन्होंने मानव मात्र में ईश्वर का वास माना। उनकी कथनी करनी में अन्तर नहीं था। वह जो कहते थे उसे अपने आचरण में उतारते भी थे। वह सभी धर्मों व समाज के सभी लोगों को समान भाव से देखते थे। गुरूनानक देव जी ने सदैव इस बात पर बल दिया कि हम सब मिलजुल कर रहें, किसी का अहित न करें और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करें। ईमानदारी से परिश्रम कर अपनी अजीविका कमायें, मिल-बांटकर खाए और मर्यादापूर्वक ईश्वर का नाम जपते हुए आत्मनियंत्रण रखें। किसी भी तरह के लोभ अथवा लालच को त्यागकर परिश्रम और न्यायोचित तरीके से कर्मठतापूर्वक धन कमायें। उन्होंने सही विश्वास, सही आराधना और सही आचरण की शिक्षा दी। हमारे प्रेरणापुंज गुरु नानक जी ने उस निराकार अनंत प्रभु की जय जयकार करते हुए यही प्रार्थना की कि वे भ्रमर की तरह प्रभु के चरण कमलों पर मधु की अभिलाषा से मंडराते रहे।वे प्रभु की महानता का वर्णन करने में असमर्थ है। उनकी दृष्टि में शब्द गुरु और आत्मा शिष्य है ।यही जीवन का सौंदर्य है। शब्द के बिना अंधविश्वास और पाखंड नष्ट नहीं होता और न ही अहंकार से मुक्ति मिलती है। जातीय अहंकार की दूषित मानसिकता के संकीर्ण गलियारों में भटकता हुआ भ्रमित समाज समतामूलक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त नहीं कर सकता। कहने को तो यह देख संतो महात्माओं धर्माचार्यो का देश है जहां पेड़ पौधों पशु पक्षी और यहां तक की पत्थरों की भी पूजा की जाती है किंतु यह कैसा दुर्भाग्यपूर्ण विरोधाभास है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े हुए दीन हीन अछूत व्यक्ति को छूने से पवित्रता भ्रष्ट हो जाती है।यह मिथ्या विश्वास किसी भी सभ्य समाज के प्रगतिशील होने का संकेत कैसे हो सकता है? निसंदेह कीरत करो, नाम जपो और वंड छको तथा दसवंध का अमूल्य मंत्र एवं पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब हमारे जीवन के उच्च आदर्शों मूल्यों की प्रेरक धरोहर है।उन्होंने अंतिम समय में भाई लेहणा को कठिन परीक्षा के बाद बिना किसी भेदभाव, पूर्वाग्रह के योग्यता के आधार पर गुरु पद प्रदान कर एक स्वस्थ परंपरा का शुभारंभ किया। आज हम मंदिरों में उन मूर्तियों का ध्यान कर रहे हैं जिन्हें हमने ही बनाया है किंतु उनका ध्यान कब करेंगे जिसने हमें बनाया है।

आप की एंट्री से रोचक मुकाबले की सूरत

गुजरात विधानसभा चुनाव/ अशोक उपाध्याय

गुजरात विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया है। एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा। यह भी कि गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणाम एक साथ आठ दिसंबर को घोषित होंगे। खास बात यह कि हर बार की तरह इस बार चुनाव में सिर्फ कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच मुकाबला नहीं होगा। इस बार आम आदमी पार्टी (आप) भी इस राज्य से अपनी किस्मत आजमाने जा रही है। तीनों दलों ने उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया तेज कर दी है। अब तक के चुनावी इतिहास को देखें तो मुखे य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता रहा है और यहां के स्थानीय मुद्दे ही चुनावों में ज्यादातर हावी रहे हैं। गुजरात का यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए काफी अहम है। वजह एक ही है, गुजरात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य है। भाजपा इस समय केंद्र और गुजरात में सत्ता में हैं और यहां पर भी उसका नारा डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को लेकर आगे बढ़ रहा है। वह दोबारा सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त है। वह मानकर चल रही है कि नरेन्द्र मोदी के नाम पर मतदाताओं को रिझाना उसके लिये आसान होगा। चुनाव घोषणा के तुरंत बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि गुजरात में फिर से डबल इंजन की सरकार बनेगी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने चार राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में सत्ता में वापसी की लेकिन पंजाब के नतीजों ने राजनीतिक समीकरणों पर फिर से गौर करने पर बाध्य कर दिया। आम आदमी पार्टी को पंजाब में मिली अपार सफलता ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के अस्तित्व को ही चुनौती दे दी है। अब गुजरात में आप, भाजपा को चुनौती देने के लिये ताल ठोंक रही है। दिल्ली विधानसभा में आप पहले से ही काबिज है और पंजाब की जीत ने उसका मनोबल बढ़ा दिया है। वहीं इस बार गुजरात राज्य में आप के प्रवेश ने गुजरात चुनाव और दिलचस्प बना दिया है। आप वहां करो या मरो की मुद्रा में चुनाव लड़ रही है। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात चुनाव की घोषणा होते ही गुजरात की जनता से आप को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि अगर वे उनको एक मौका देंगे तो वे बिजली, शिक्षा और मुफ्त तीर्थयात्रा की सुविधा देंगे। उन्होंने कांग्रेस के साथ ही भाजपा के हिंदू वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। केजरीवाल की रुपये के एक तरफ गणेश-लक्ष्मी की तस्वीर लगाने की मांग को कुछ ऐसे ही देखा जा रहा है। गुजरात में चुनाव को लेकर पिछले कुछ महीनों से राजनीतिक लड़ाई चरम पर है। चुनाव प्रचार में भाजपा और आप ने पहले से ताकत झोंक रखी है। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के गुजरात दौरे लगातार हो रहे हैं और वे राज्य में विकास एवं स्थिरता को बड़ी उपलब्धि के तौर पर गिना रहे हैं। लेकिन मोरबी हादसे को लेकर विपक्ष हमलावर है। गुजरात विधानसभा में सीटों के लिहाज से आप का इस राज्य में अभी कोई वजूद नहीं है लेकिन जिस तरह से उसके नेता अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में मिली आशातीत सफलता को भुनाने के लिये गुजरात का लगातार दौरा किया है, उससे साफ है कि वह पंजाब की तरह वहां भी अपनी पार्टी को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। जब से नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री बने तब से लेकर अब तक भाजपा गुजरात में एक भी चुनाव नहीं हारी है। नरेन्द्र मोदी की अगुआई में भाजपा लगातार तीन बार विधानसभा चुनाव जीत चुकी है और लोकसभा चुनावों में भी वह गुजरात में अव्वल साबित हुई है। गुजरात में कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और पिछले विधानसभा चुनावों में उसने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। गुजरात की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों से पिछड़ी जाति और पाटीदार समुदाय के नेता के रूप में हार्दिक पटेल का नया नाम उभरा। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हार्दिक पटेल ने 2015 में पाटीदार समुदाय के हितों की लड़ाई तेज की। उन्होंने भाजपा के लिये नई चुनौतियां खड़ी कीं और इसका फायदा उठा कांग्रेस ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। कांग्रेस हाईकमान के हार्दिक को तवज्जो देने से गुजरात में बाकी कांग्रेस नेता नाराज हो गये थे। गुजरात के कद्दावर नेता अहमद पटेल के निधन के बाद राज्य में कांग्रेस को संगठित रखने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई।कांग्रेस हार्दिक के बूते गुजरात में स्थिति मजबूत करने को लेकर आश्वस्त थी लेकिन उन्होंने कुछ ही दिन पहले मोदी की तारीफ करने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया है। कांग्रेस के लिये यह बड़ा झटका था और तब से गुजरात में पार्टी अपने सांगठनिक ढांचे को लेकर जूझ रही है। लंबी जद्दोजहद के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हुए और वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की कमान संभाल ली है। वह कांग्रेस की सांगठनिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कयास लगने लगे हैं कि वहां भी कांग्रेस के लिये पंजाब वाली स्थिति न हो जाये। दरअसल, कांग्रेस की ओर से अभी तक प्रभावी प्रचार देखने को नहीं मिला है। गुजरात चुनाव को लेकर चुनाव आयोग सतर्क है और उसने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के संकल्प को दृढ़ता से दोहराया है। कई उपाय करने के साथ आयोग ने एक बड़ा ऐलान किया है कि वह इस बार के गुजरात चुनाव में किसी भी मतदाता के शिकायत करने पर 100 मिनट में जवाब देगा और वे सी-विजिल एप पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। यूं तो हिमाचल प्रदेश के चुनाव भी हो रहे हैं लेकिन सबकी नजर गुजरात विधानसभा चुनाव पर लगी है। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के गृह राज्य गुजरात के नतीजे देश की भावी राजनीति तय कर सकते हैं। गुजरात को भाजपा का गढ़ समझा जाता है लेकिन कांग्रेस की आंतरिक चुनौतियों और आप के बढ़े हुए उत्साह ने इस चुनाव को पहली बार त्रिकोणीय बना दिया है।

लेखक यूनीवार्ता के संपादक रहे हैं।

(चिंतन-मनन)

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है। उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया। कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

रिलायंस रिटेल 4060 करोड़ में खरीद सकती है जर्मनी की रिटेल कंपनी

मुंबई । देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल जर्मनी की रिटेल कंपनी मेट्रो कैश एंड कैरी के भारतीय कारोबार को 50 करोड़ यूरो (4,060 करोड़ रुपए) में खरीद सकती है। सूत्रों के मुताबिक इस डील में कंपनी के 31 होलसेल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर, जमीन और मेट्रो कैश एंड कैरी के मालिकाना हक वाली अन्य संपत्तियां शामिल हैं। रिलायंस रिटेल देश की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है और इस डील से उसे बी2बी श्रेणी में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिलेगी। सूत्रों ने बताया कि मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और मेट्रो के बीच पिछले कुछ महीनों से चर्चा चल रही थी और पिछले सप्ताह जर्मनी की कंपनी रिलायंस रिटेल के प्रस्ताव पर तैयार हो गई। मेट्रो और रिलायंस इंडस्ट्रीज दोनों ने फिलहाल इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेट्रो कैश एंड कैरी अभी भारत में मेट्रो होलसेल ब्रांड के तहत 31 स्टोर का संचालन कर रही है। कंपनी ने इस तरह के आरोपों का पूरी तरह से खंडन किया है। मेट्रो एजी ने वर्ष 2003 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया था लेकिन अब वह भारतीय बाजार से निकलने की तैयारी में है।

ट्विटर में भगदड़ के बाद मेस्टोडोन से जुड़ रहे यूजर्स

सैनफ्रांसिस । कई जानी-मानी हस्तियों के ट्विटर को छोड़ने के बाद एक छोटा सोशल नेटवर्क मेस्टोडोन सुर्खियों में आया है। ट्विटर में मची भगदड़ के कारण कई यूजर इसकी ओर रुख कर रहे हैं। यह कंपनी 2016 से ही चल रही है लेकिन हाल में दिनों में इसमें तेजी आई है। कुछ लोग विकल्प के तौर पर इसे जुड़ रहे हैं ताकि ऑनलाइन अपनी बात कह सकें। ट्विटर का दूर-दूर तक कोई विकल्प नहीं है लेकिन मेस्टोडोन ने हाल में कुछ सुर्खी बटोरी है। यह काफी हद तक ट्विटर से मिलता जुलता है लेकिन ट्विटर, इंस्टाग्राम और फेसबुक की तरह इसे कोई एक कंपनी कंट्रोल नहीं करती है। इसे विभिन्न ग्रुप और इंडिविजुअल्स चलाते हैं। यह सर्विस मुफ्त है और साथ ही इसमें कोई विज्ञापन नहीं है। बताया जा रहा है कि एक हफ्ते में दो लाख से अधिक यूजर्स इससे जुड़े हैं। दूसरी ओर ट्विटर की ज्यादातर कमाई विज्ञापनों से होती है। मस्क ने उन्हें खुश करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

होंडा कार्स का भारत में उत्पादन 20 लाख इकाई से ज्यादा

नई दिल्ली । होंडा कार्स इं डिया का भारत में कुल उत्पादन आंकड़ा 20 लाख इकाई से अे धिक हो गया है। कंपनी ने 20 लाखवें वाहन का उत्पादन अपने राजस्थान के टपूकड़ा संयंत्र में किया है। कंपनी ने भारत में उत्पादन दिसंबर, 1997 में शुरू किया था। परिचालन शुरू करने के बाद कंपनी अब तक भारत में 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ताकुया त्सुमुरा ने बयान में कहा कि 20 लाख इकाइयों के उत्पादन का आंकड़ा पिछले 25 साल के दौरान होंडा की 'मेक इन इंडिया' के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी अपने सिटी और अमेज सेडान वाहनों को घरेलू बाजार में बेचने के अलावा 15 से अधिक बाजारों में इनका निर्यात भी करती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 61,000 अंक से आगे निकल गया। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन, ऊर्जा और धातु शेयरों में अच्छी खरीददारी के कारण आया है। वहीं अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से और विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई आधारित सेंसेक्स 234.79 अंक करीब 0.39 फीसदी ऊपर आकर 61,185.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक का शेयर सबसे अधिक 3.44 फीसदी ऊपर आया। वहीं इसके अलावा टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और पावरग्रिड के शेयर भी उछले हैं। वहीं इसके विपरीत एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा और टाइटन के शेयर गिरे हैं। इनमें 2.37 फीसदी तक की गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ में रहे। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 85.65 अंक करीब 0.47 फीसदी की बढ़त के साथ 18,202.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ के साथ ही उछला है। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में बढ़त रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड 0.19 फीसदी नीचे आकर 98.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार को स्पष्ट दिशा का इंतजार है। हालांकि, यह लाभ में बंद हुआ। दवा कंपनियों के शेयरों में नुकसान की भरपाई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वाहन और धातु शेयरों में खरीददारी से हुई।'' उन्होंने कहा, ''चीन में कोविड पाबंदियों के हटने की अफवाह और अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों से भी बाजार को समर्थन मिला है। हालांकि, निवेशकों को बाजार की दिशा के लिये अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों की प्रतीक्षा है।

चीन में कोरोना प्रतिबंधों की वजह से आईफोन की आपूर्ति प्रभावित

बीजिंग । एप्पल इंक ने कहा है कि आईफोन मॉडल के लिए ग्राहकों को कुछ लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इसकी वजह यह है कि मध्य चीन में ठेकेदार फर्म के कारखाने पर कोविड संबंधी अंकुश लगाए जाने से कंपनी का उत्पादन प्रभावित हुआ है। कंपनी ने सोमवार को यह घोषणा करते हुए और अधिक ब्योरा नहीं दिया। कंपनी ने हालांकि कहा कि झेंगझोऊ में फॉक्सकॉन द्वारा संचालित संयंत्र काफी कम क्षमता पर काम कर रहा है। कंपनी ने ककि कि पहले लगाए अनुमान की तुलना में आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स की आपूर्ति काफी कम रहेगी। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को इस नए उत्पाद के लिए लंबा इंतजार करना होगा।

मारुति सुजुकी करेंगी 7,000 करोड़ से अधिक का निवेश

-कंपनी ने साल की शुरुआत में ही कर दिया था योजना का खुलासा

नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने घोषणा की है कि वह इस साल 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी, जिसका उपयोग अन्य क्षेत्रों के अलावा नए एसयूवी मॉडल के विकास के लिए किया जाएगा। मारुति ने इस साल की शुरुआत में नई जनरेशन की ब्रेज़ा को लॉन्च करते समय अपनी एसयूवी योजनाओं को स्पष्ट कर दिया था। त्योहारी महीने से ठीक पहले ग्रैंड विटारा मारुति सुजुकी की सबसे बड़ी लॉन्चिंग में से एक थी। आगामी एसयूवी में मारुति कथित तौर पर तीन-पंक्ति एसयूवी की भी योजना बना रही है। मारुति वर्तमान में पूरे देश में अपनी मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स में हर साल 22 लाख से अधिक कारों का निर्माण करती है। जिसमें गुजरात में सुजुकी की सुविधा भी शामिल है। हरियाणा में मानेसर और गुरुग्राम प्लांट सालाना लगभग 15.5 लाख यूनिट का उत्पादन करते हैं।मारुति के 7,000 करोड़ के निवेश का उपयोग हरियाणा के सोनीपत के पास बने नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के निर्माण के लिए भी किया जाएगा। मारुति ने सोनीपत प्लांट के पहले चरण में 11,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। खरखोदा स्थित प्लांट देश में इसकी तीसरी फैक्ट्री होगी। मारुति का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में इसे चालू करना है और पहले चरण में सालाना लगभग 2.5 लाख इकाइयों का उत्पादन करने की उम्मीद है।कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अजय सेठ ने बताया कि सोनीपत जिले में नये संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। सेठ ने कहा कि ब्रेज़ा और ग्रैंड विटारा दोनों की सफलता के बाद मारुति अब एसयूवी सेगमेंट में और मॉडल लाने की इच्छुक है। हालांकि, सप्लाई चेन मुद्दों ने इस साल मारुति के उत्पादन को प्रभावित किया है।

निकाले गए कर्मचारियों को फिर से नौकरी पर बुला रही है ट्विटर!

सैन फ्रांसिस्को।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर का मालिक बनने के बाद कई कर्मचो रियों को नौकरी से `निकाल` दिया है। भारत में तो मस्क ने ट्विटर की लगभग पूरी टीम को ही बाहर का रास्ता` दिखा `दिया था। लेकिन अब ट्विटर निकाले गए कई कर्मचारियों को वापस बुला रही है। इनमें से कुछ कर्मचारियों को गलती से निकाल दिया गया था। एक रिपोर्ट में बताया गया है` कि कंपनी मैनेजमेंट ने कुछ लोगों को जल्दबाजी में निकाल दिया था। अब कंपनी को अहसास हो रहा है कि मस्क के विजन को आगे बढ़ाने के लिए इन कर्मचारियों की जरूरत है। इसी लिए उनको बुलाया जा रहा है। मस्क ने ट्विटर को खरीदने की 44 अरब डॉलर की डील पिछले महीने पूरी की थी। इसके साथ ही वह कार्रवाई में आ गए थे। पहले उन्होंने कंपनी के भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल समेत चार प्रमुख अधिकारियों को बाहर किया। उसके बाद उन्होंने कंपनी के बोर्ड को खत्म करके कमान अपने हाथ में ले ली थी। इतना ही नहीं कंपनी ने शुक्रवार को करीब 3,700 कर्मचारियों को निकाल दिया था। अमेरिका में कुछ कर्मचारियों ने इसे अदालत में चुनौती भी दी है। ट्विटर के एक प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मस्क ने शुक्रवार को कर्मचारियों की छंटनी के बाद ट्वीट किया था, जहां तक ट्विटर के वर्कफोर्स में कमी की बात है तो कंपनी के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उसे रोजाना 40 लाख डॉलर का नुकसान हो रहा है।

निकाले गए कर्मचारियों को तीन महीने के सेवरेंस पैकेज का ऑफर दिया गया है जो कानूनी बाध्यता से 50 फीसदी अधिक है। सूत्रों का कहना है कि ट्विटर में अब 3700 कर्मचारी रह गए हैं। छंटनी से पहले कंपनी में करीब 7500 कर्मचारी काम कर रहे थे। मस्क ने बचे कर्मचारियों को दिनरात काम करने को कहा है। हालत यह है कि कुछ कर्मचारी ऑफिस में ही रात गुजार रहे हैं। ट्विटर ने पिछले हफ्ते नया ब्लू सब्सक्रिप्शन प्लान निकाला था। इसके मुताबिक ब्लू टिक पाने के लिए यूजर्स को हर महीने आठ डॉलर देने होंगे। फिलहाल ट्विटर ने मिडटर्म इलेक्शन तक इस योजना को टाल दिया है। अमेरिका में आठ नवंबर को मिडटर्म इलेक्शन होना है। यूजर्स और कर्मचारियों ने आशंका जताई थी कि इन चुनावों में ट्विटर की योजना का दुरुपयोग हो सकता है।

ट्विटर के बाद अब फेसबुक के कर्मचारियों की जा सकती है नौकरी

- इस साल कंपनी के शेयरों में करीब 73 फीसदी भारी गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

ट्विटर के बाद दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक भी बड़े स्तर पर कर्मचो रियों की छंटनी की तैयारी कर रही है। इसकी शुरुआत बुधवार से हो रही है। कंपनी दुनियाभर में 12,000 कर्मचारियों को बाहर कर सकती है। मेटा में अभी करीब 87,000 कर्मचारी काम करते हैं। इससे पहले ट्विटर ने शुक्रवार को दुनियाभर में 3700 कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया था। इसके बाद कंपनी के कर्मचारियों की संख्या आधी रह गई है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने अक्टूबर के ओ खिर में ट्विटर को खरीदने की डील पूरी की थी। उसके बाद कंपनी ने आधे कर्मचारियों को निकाल दिया। मस्क के बाद अब मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग भी बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रहे हैं। इस साल कंपनी के शेयरों में करीब 73 फीसदी भारी गिरावट आई है। फेसबुक को टिकटॉक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स से कड़ी टक्कर मिल रही है। करीब 18 साल पुरानी इस कंपनी से यूजर्स टिकटॉक और यूट्यूब की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। इस कारण कंपनी का राजस्व प्रभावित हुआ है। इस साल कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई है। कंपनी ने पहले ही नई भर्तियों पर रोक लगा दी थी और अब वह बड़े पैमाने पर छंटनी करने जा रही है। जकरबर्ग के पास मेटा प्लेटफॉर्म्स के करीब 16.8 फीसदी शेयर हैं। फेसबुक के रेवेन्यू में 97 फीसदी से अधिक हिस्सा विज्ञापनों से आता है। कंपनी के शेयरों में गिरावट से जकरबर्ग की नेटवर्थ में भी भारी गिरावट आई है। कभी वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर थे लेकिन अब 29वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 90.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है और यह 35.2 अरब डॉलर रह गई है। शेयरों में गिरावट से फेसबुक का मार्केट कैप भी बुरी

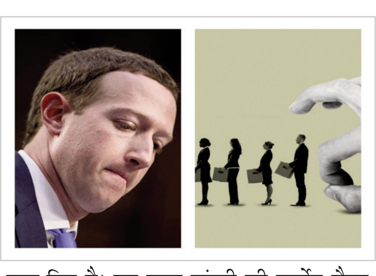

तरह गिरा है। इस साल कंपनी की मार्केट वैल्यू में 500 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है। फेसबुक में पहली बार छंटनी होने जा रही है। कई वर्षों तक इस कंपनी ने रेकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की और निवेशकों की जबरदस्त रिटर्न दिया। यही वजह है कि वह वॉल स्ट्रीट की चहेती बनी हुई थी लेकिन इस साल कंपनी की तिमाही रिपोर्ट्स अच्छी नहीं रही हैं। फेसबुक अपने मेटावर्स प्रॉडक्ट्स को भी आक्रामक तरीके से प्रमोट कर रही है। इससे भी कंपनी का फाइनेंस प्रभावित हुआ है।

गैलेक्सी एस23 फोन में लाइट परफॉर्मेंस मोड लाएगा सैमसंग

-बैटरी लाइफ को बचाने की देगा अनुमति

सोल । दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने गैलेक्सी एस23 फोन में लाइट परफॉर्मेंस मोड लाएगा जो उपयोगकर्ताओं को बैटरी लाइफ को बचाने की अनुमति देगा। यह मोड सैमसंग के फोल्डेबल फोन गैलेक्सी जेड फोल्ड 4 और गैलेक्सी जेड फ्लिप 4 के लिए इस साल की शुरुआत में पेश किया गया था और स्टैंडर्ड मोड के विकल्प के रूप में काम किया। जानकारी के अनुसार, प्रदर्शन में गिरावट मध्यम होगी, लेकिन लाइट मोड को सक्षम करने के बाद बिजली की खपत में काफी कमी आएगी। साथ ही, यह मोड सामान्य पावर सेविंग मोड से अलग है। लाइट मोड का उपयोग करने से गेम का प्रदर्शन प्रभावित नहीं होगा क्योंकि गेम के लिए प्रदर्शन प्रोफाइल को पहले की तरह अलग गेम बूस्टर सेटिंग्स द्वारा नियंत्रित किया जाता रहेगा नया स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 आशाजनक परिणाम दिखा रहा है, इसलिए नए चिपसेट से बेहतर प्रदर्शन से लाइट मोड के कारण होने वाली मंदी को संतुलित करने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 8 जेन 2, 8 जेन 1 की तुलना में अधिक पावरफुल होने का वादा कर रहा है, इसलिए बैटरी लाइफ बेहतर होनी चाहिए।

नई इनोवा हाइक्रॉस कार के दो रेंडर आए सामने

इसे बेंगलुरु में भी किया जा चुका है स्पॉट

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी टोयोटा की इनोवा हाइक्रॉस कार के दो रेंडर सामने आए हैं जिसमें फ्रंट-साइड प्रोफाइल और बैक-साइड प्रोफाइल की जानकारी मिलती है। इसे बेंगलुरु में भी स्पॉट किया जा चुका है। ये इंडोनेशिया, थाईलैंड और कुछ अन्य देशों में लोकप्रिय कार अवांझा एमपीवी जैसी नजर आती है। भारतीय बाजार में यह कार 25 नवंबर को पेश की जाएगी। इसे 21 नवंबर को इंडोनेशिया के मार्केट में टोयोटा इनोवा जेनिक्स नाम से पेश किया जाएगा। ये इनोवा का ही एडवांस्ड मॉडल होगा और इस मॉडल में सनरूफ समेत कई एडवांस्ड फीचर्स मिलेंगे। इनोवा हाइक्रॉस के पेटेंट की जो इमेज लीक हुई हैं उन्हें देखकर पता चलता है कि इसका लुक अवांजा एमपीवी या वेलोज एमपीवी से मिलता है। इस कार में सनरूफ मिलने वाली है और इसी आधार पर ये रेंडर्स को तैयार किये गए हैं। इनोवा हाइक्रॉस रेंडर के स्पोर्टी लुक दिख रहा है और इसमें अग्रेसिव फ्रंट ग्रिल, बड़े एयर डैम, फॉक्स स्किड प्लेट्स, बॉडी क्लैडिंग, स्लीक हेडलाइट्स और कई एलीमेंट काफी अट्रैक्टिव हैं। हालांकि, साइड प्रोफाइल को देखने पर ये इनोवा क्रिस्टा से काफी मिलती जुलती दिखाई देती है। कंपनी ने हाल ही में टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस का टीजर भी जारी किया है और इस टीजर में कार का फ्रंट नजर आ रहा है। इनोवा हाइक्रॉस एक बड़ा और सीधा हेक्सागोनल ग्रिल नजर आता है।इस एमपीवी का मॉड्यूलर टीएजीए-सी प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है।

इसके टॉप वैरिएंट में 10-स्पोक अलॉय व्हील, एक पैनोरमिक सनरूफ और एलईडी ब्रेक लाइट के साथ टेल-लैंप मिलेगा और इसके इंटीरियर को लेकर कोई डिटेल अभी तक सामने नहीं आई है। इसके साथ फ्रंट में एल-शेप्ड इंसर्ट के साथ चौड़े हेडलैंप, बोनट पर मजबूत क्रीज और फॉग लैंप जैसे फीचर्स मिलते हैं।इनोवा हाइक्रॉस मोनोकॉक आर्किटेक्चर और फ्रंट-व्हील-ड्राइव लेआउट पर आधारित होगा।

म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर अभी से शुरू करें बच्चों के बेहतर भविष्य की प्लानिंग

नई दिल्ली।

बच्चों के भविष्य के लिए निवेश की शुरुआत जितनी जल्दी हो सके, शुरू कर देनी चाहिए। बच्चों की शिक्षा, शादी जैसी जिम्मेदारियों के लिए जब आप निवेश शुरू करते हैं, तो आपके पास लंबा समय रहता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेश जितना लंबी अवधि के लिए हो तो उतना ही कम्पाउंडिंग का फायदा मिलेगा। अगर बच्चों के लिए इनवेस्टमेंट की प्लानिंग कर रहे हैं तो म्यूचुअल फंड स्कीम्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

म्यूचुअल फंड मार्केट में कई ऐसे फंड्स हैं, जो बच्चों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं। बता दें कि बच्चे के नाम म्यूचुअल फंड स्कीम में लंप सम और एसआईपी दोनों तरह से इनवेस्टमेंट अच्छा ऑप्शन है। अगर बच्चे के जन्म के बाद से ही इन म्यूचुअल फंड्स स्कीम में इनवेस्टमेंट की शुरुआत की जाए, तो 15 साल की उम्र होते-होते आपके बच्चे के नाम एक बड़ा फंड हो जाएगा। मार्केट में कई ऐसे फंड्स हैं, जिनमें 10 साल में लंपसम निवेश में 4 से 5 गुना से ज्यादा हो सकता है। वहीं, कहीं हजारों रुपये मंथली एसआईपी की वैल्यू बढ़कर लाखों रुपये तक पहुंच गई है। साथ ही, इन चाइल्ड फंड्स में खासकर दो कैटेगरी फ्लैक्सी कैप और हाइब्रिड कैटेगरी के फंड हैं। अगर आप अपने बच्चों के लिए इनवेस्टमेंट करना चाहते हैं तो म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक सही कदम हो सकता है। बच्चों के भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में म्यूचुअल फंड की स्कीम आपके बहुत काम आएंगी।

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल की कीमत बढ़ी

- राजस्थान और महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड 3.90 डॉलर बढ़कर 98.57 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई 4.44 डॉलर की तेजी के साथ 92.61 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। इसके साथ ही कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। राजस्थान में 0.81 रुपए महंगा होकर पेट्रोल 108.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.73 रुपए बढ़कर होकर 94.08 रुपए पर पहुंच गया है।

पंजाब में पेट्रोल 0.25 रुपए के उछाल के साथ 96.89 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। जबकि डीजल के दामों में भी इतनी ही तेजी दिख रही है और ये 87.24 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। इसके अलावा में महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 0.32 रुपए और डीजल की कीमत 0.33 रुपए नीचे आई है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.56 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अक्टूबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 48 प्रतिशत बढ़ी

वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर, 2021 के 14,18,726 इकाई के आंकड़े से 48 प्रतिशत अधिक रही

नई दिल्ली ।

त्योहार की वजह से मांग में बढ़ोतरी होने से देश में वाहनों की खुदरा बिक्री में अक्टूबर माह में 48 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 20,94,378 इकाई रही। यह अक्टूबर, 2021 के 14,18,726 इकाई के आंकड़े से 48 प्रतिशत अधिक है।

अक्टूबर, 2022 में वाहनों का पंजीकरण कोविड-पूर्व अक्टूबर, 2019 से भी आठ प्रतिशत अधिक रहा है। पिछले महीने सभी वाहन खंडों, यात्री और वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया, ट्रैक्टर और तिपहिया का प्रदर्शन अक्टूबर, 2021 से बेहतर रहा। पिछले महीने यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 3,28,645 इकाई पर पहुंच गई। यह अक्टूबर, 2021 में 2,33,822 इकाई रही थी। इसी तरह दोपहिया वाहनों का पंजीकरण पिछले महीने 51 प्रतिशत बढ़कर 15,71,165 इकाई पर पहुंच गई। यह आंकड़ा अक्टूबर, 2021 में 10,39,845 इकाई रहा था।अक्टूबर में वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 74,443 इकाई रही। एक साल पहले समान महीने में यह 59,363 इकाई रही थी। अक्टूबर, 2022 में तिपहिया और ट्रैक्टर की बिक्री में क्रमशः 66 प्रतिशत और 17 प्रतिशत का उछाल आया। 2019 के कोविड-पूर्व के महीने की तुलना में भी इस साल अक्टूबर में बिक्री अधिक रही है। इस साल 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर 28,88,131 इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 22,42,139 इकाई थी।

इस अवधि में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 4,56,413 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 3,39,780 इकाई रही थी। इस दौरान दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 26 प्रतिशत बढ़कर 21,55,311 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 17,05,456 इकाई रहा था। इसी तरह तिपहिया, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टर की बिक्री त्योहारी अवधि में क्रमशः 68, 29 और 30 प्रतिशत अधिक रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईओए ने चुनाव से पहले 8 दिग्गज खिलाड़ियों को आवेदन का दिया न्योता

नई दिल्ली । भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) ने 10 दिसंबर को होने वाले चुनाव से पहले मतदाता सूची का हिस्सा बनने के लिए 8 दिग्गज खिलाड़ियों के आवेदन मंगवाए हैं। आईओए की 10 नवंबर को होने वाली आमसभा की विशेष बैठक से पहले आवेदन मंगवाने के लिए न्योता दिया गया है। इन 8 खिलाडियों में 6 पुरूष और 2 महिलाएं होंगी जिन्हें कार्यकारी परिषद के चुनाव में मतदान का अधिकार होगा। ये खिलाड़ी 18 वर्ष से अधिक और 70 वर्ष से कम उम्र के होंगे और खेल को अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने आवेदन से कम से कम एक साल पहले कोई प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट नहीं खेला होना चाहिए। इसके अलावा ओलिम्पिक, राष्ट्रमंडल खेल या एशियाई खेलों में एक पदक जीता होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय ओलिम्पिक ने संविधान के नए मसौदे को मंजूरी दे दी है जिसे आईओए की आमसभा की विशेष बैठक में स्वीकृति दी जाएगी। इसमें एक एथलीट आयोग बनाने का भी प्रावधान है जिसके 2 प्रतिनिधि कार्यकारी परिषद में होंगे। उच्चतम न्यायालय ने आईओए के चुनाव के लिए 10 दिसंबर की तारीख दी है।

PKL 9 : थलाइवाज ने पल्टन को उसी के घर में हराया, प्वाइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंचे

पुणे।

नरेंदर (13 अंक) और कप्तान सागर राठी (5 अंक) के उम्दा प्रदर्शन के बूते तमिल थलाइवाज ने बालेवाड़ी स्थित श्री शिवछत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 63वें मैच में पुनेरी पल्टन को 35-34 से हरा दिया। सीजन की पांचवीं जीत ने थलाइवाज को नौवें स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। दूसरी ओर, लगातार सात मैचों से अजेय चल रही पल्टन तीसरी हार के बावजूद पहले स्थान पर काबिज है। पल्टन के लिए मैट पर वापसी कर रहे असलम इनामदार (15 अंक) ने चमक बिखेरी लेकिन वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। बहरहाल, तीन मिनट के खेल में थलाइवाज ने 5-3 की लीड ले रखी थी लेकिन पल्टन ने दो अंक लेकर स्कोर बराबर कर दिया। फिर दोनों टीमों ने डू ओर डाई रेड्स पर अंक हासिल किए। हालांकि मोहित को डैश कर थलाइवाज ने 1 अंक की लीड ली लेकिन पल्टन के डिफेंस ने नरेंदर का शिकार कर स्कोर फिर बराबर कर दिया। अजिंक्य ने हालांकि मोहित का शिकार कर स्कोर 8-7 किया और फिर रेड में फजल को आउट कर लीड 2 की कर दी। असलम ने हालांकि अगली रेड पर दो अंक लेकर स्कोर फिर बराबर कर दिया। फिर मोहित ने नरेंदर को टैकल कर फजल को रिवाइव कराया लेकिन वह साहिल के हाथों शिकार हो गए। 12-10 की लीड पर अजिंक्य डू ओर डाई रेड पर गए लेकिन वापस नहीं आ सके। फिर पल्टन ने रेड में अंक लेकर स्कोर बराबर कर दिया। फजल नरेंदर की रेड पर सेल्फ आउट हुए लेकिन असलम ने उन्हें रिवाइव करा लिया। पहले हाफ की अंतिम रेड पर सागर ने आकाश को लपक थलाइवाज को 16-15 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद अजिंक्य ने डिफेंस में अपना दूसरा अंक लिया। इसके बाद थलाइवाज ने डिफेंस में एक और अंक ले लीड 3 की कर ली। मोहित ने बोनस ले इसे 2 का किया लेकिन

नरेंदर ने चार अंक की रेड के साथ पल्टन को ऑल आउट किया। साथ ही उन्होंने सुपर-10 पूरा किया और थलाइवाज ने 24-16 की लीड ले ली। इसके बाद पल्टन ने तीन अंक लिए लेकिन नरेंदर ने अगली रेड पर दो अंक लेकर स्कोर 26-19 कर दिया। अगली रेड पर असलम ने भी सुपर-10 पूरा किया। पुणे के डिफेंस ने हालांकि अगली रेड पर नरेंदर का शिकार कर लिया। अजिंक्य ने हालांकि दो अंक की रेड के साथ थलाइवाज को 28-22 से आगे बनाए रखा। चार के डिफेंस में मोहित ने डू ओर डाई रेड पर अजिंक्य को आउट कर थलाइवाज को सुपर टैकल की स्थिति में डाला। असलम रेड पर गए और हिमांशु ने उन्हें लपक टीम को 2 अंक दिला दिए।

ऐश बार्टी की आत्मकथा 'My Dream Time' विमोचित, बोली- वापसी का इरादा नहीं

मेलबर्न ।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी का टेनिस में वापसी करने या किसी अन्य खेल को अपनाने का कोई इरादा नहीं है। मेलबर्न पार्क में अपनी आत्मकथा के विमोचन के अवसर पर इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उनकी उच्च स्तर के खेलों में वापसी करने की कोई इच्छा नहीं है और भविष्य में भी वह ऐसा नहीं करेगी। इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाली बार्टी ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस से कहा कि नहीं मेरा वापसी का कोई इरादा नहीं है। मैंने जो हासिल करना था, कर लिया है। बार्टी ने 3 ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं और वहां 121 सप्ताह तक विश्व की नंबर एक खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने ब्रिसबेन हीट की तरफ से पेशेवर क्रिकेट भी खेला है और वह गोल्फ में खेलती रही हैं। इससे कयास लगाए जा रहे थे कि टेनिस छोडने के बाद वह किसी अन्य खेल में हाथ आजमा सकती हैं। अपनी आत्मकथा 'माइ ड्रीम टाइम' का विमोचन करते हुए बार्टी ने स्पष्ट किया कि वह अपनी नई जिंदगी से बेहद खुश हैं और उनका पेशेवर खेलों में वापसी का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी जिंदगी में कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि कोई शून्य है जिसे भरा जाना जरूरी है क्योंकि मुझे जो हासिल करना था वह मैं कर चुकी हूं।

द्रविड़ ने सेमीफाइनल के लिए भारतीय टीम में बदलाव के संकेत दिये

एडीलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले के लिए भारतीय टीम में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे में इस मैच में अक्षर पटेल की जगह अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को लाया जा सकता है।) इसके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की भी वापसी हो सकती है। जिम्बाब्वे के खिलाफ कार्तिक की जगह ऋषभ पंत को अवसर दिया गया था पर वह 3 रन ही बना पाये थे। द्रविड़ ने कहा कि वह एडिलेड की पिच देखने के बाद ही वह अंतिम ग्यारह पर कोई फैसला करेंगे। द्रविड़ ने कहा, ' मुझे लगता है कि हम अपने सभी 15 खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। हमें पता है कि जो कोई भी 15 में आता है, वह संभावित रूप से हमें कमजोर नहीं बनाएगा, जिस तरह की टीम हमने चुनी है।' दोबारा, हम एडिलेड जाएंगे और वहां की पिच देखेंगे। हमने वहां कुछ मैच देखें हैं और हम जानते हैं कि विकेट धीमा है। हमें एक अलग पिच मिल सकती है। बांग्लादेश के खिलाफ जिस पिच पर हमने मैच खेले उस विकेट पर स्पिनरों को ज्यादा लाभ नहीं हुआ था। इसी कारण हम वहां जाएंगे और विकेट देखने के बाद फैसला करेंगे कि इस विकेट के साथ हम क्या कर सकते हैं।'

इंगलैंड महिलाओं का विंडीज दौरा तय, 3 वनडे, 5 टी-20 मैच होंगे आयोजित

लंदन ।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को 3 वनडे और 5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए दिसंबर में कैरेबियाई दौरे पर जाने वाली इंगलैंड की महिला टीम के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद 5 मैचों की टी-20ई श्रृंखला होनी है जोकि 4-22 दिसंबर से एंटीगुआ, बारबुडा और बारबाडोस में खेली जाएगी। 3 वनडे मैच आई.सी.सी. महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे। इंगलैंड महिला क्रिकेट निदेशक जोनाथन फिंच ने कहा कि यह हमेशा एक शानदार जगह (विंडीज दौरा) है और जल्द ही एक नए मुख्य कोच के बोर्ड पर आने के साथ इस टीम का खेल चक्र शुरू हो जाएगा। वेस्टइंडीज सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप के हमारे पहले विदेशी दौर को देखती है और यह महत्वपूर्ण है कि हमें बोर्ड में कुछ अंक मिले। यह दौरा अगले साल की शुरुआत में आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप की तैयारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ऐसा होगा शैड्यूल

- 4 दिसंबर : पहला वनडे एंटीगुआ में
- 6 दिसंबर : दूसरा वनडे एंटीगुआ
- 9 दिसंबर : तीसरा वनडे एंटीगुआ में
- 11 दिसंबर : पहला टी-20, एंटीगुआ में
- 14 दिसंबर : दूसरा टी-20, केंसिंग्टन ओवल में
- 17 दिसंबर : तीसरा टी-20, बारबाडोस में
- 18 दिसंबर : चौथा टी-20, बारबाडोस में
- 22 दिसंबर : 5वां टी-20 बारबाडोस में

संक्षिप्त समाचार

सूर्या आप बहुत जल्दी मेरी जगह पहुंच रहे हैं : डिविलियर्स

मेलबर्न । टी20 विश्वकप में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण अब सूर्यकुमार यादव को भारतीय टीम का 'मिस्टर 360' कहा जा रहा है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स को सबसे पहले यह टाइटल मिला था। वहीं सूर्यकुमार ने डिविलियर्स के साथ अपनी तुलना का जवाब दिया। सूर्यकुमार ने कहा, 'दुनिया में केवल एक 360-डिग्री खिलाड़ी है, और मैं उसकी तरह खेलने की कोशिश करूंगा।' वहीं इसपर अब डिविलियर्स ने सूर्यकुमार की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। डिविलियर्स ने ट्वीट किया, 'आप बहुत जल्दी वहां पहुंच रहे हैं दोस्त, और इससे भी ज्यादा। आपने आज अच्छा खेला।' जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक सूर्यकुमार का आईसीसी टूर्नामेंट में तीसरा अर्धशतक था और उन्होंने मैच में फिर से कुछ अजीब स्ट्रोक खेले। वहीं भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सूर्यकुमार से इस शॉट के बारे में पूछा, जिसमें भारतीय बल्लेबाज ने डीप फाइन लेग पर छक्का लगाया था। सूर्या ने बताया कि कैसे उन्होंने स्ट्रोक खेलने के लिए खुद को तैयार किया है।

बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर भड़के अकरम

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने विश्वकप में बांग्लादेश के बल्लेबाजों के रवैये की आलोचना की है। अकरम ने कहा कि मैं बांग्लादेश के सभी खिलाड़ियों को मनोवैज्ञानिकों के पास दिखाना चाहता हूं। अकरम ने अब कहा है कि अगर वह बांग्लादेश के कप्तान या कोच होते, तो वह खिलाड़ियों को मनोवैज्ञानिकों को दिखाने ले जाते। उन्होंने बांग्लादेशी बल्लेबाज नजमुल हसन शांतो के रुख की भी आलोचना की, जिन्होंने 50 तक पहुंचने के बाद अपना विकेट गंवा दिया। अकरम ने कहा, बांग्लादेश को हार के लिए अपने को दोष देना होगा। उन्हें ऐसा करना चाहिए। अगर मैं बांग्लादेश टीम का कप्तान या बांग्लादेश टीम का कोच होता, तो मैं यह तय करूंगा कि ये लोग मनोवैज्ञानिकों को अपने को दिखाएं। एक समय शांतो 54 रन पर थे और तब चीजें ठीक चल रही थीं। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 73 रन था। मुझे लगा कि वे 160 तक पहुंच जाएंगे। लेकिन फिर शांतो ने बाहर कदम रखा और इफ्तिखार की गेंद पर एक अजीब सा शॉट खेला और बोल्ड हो गए। अगर आप एक एक रन लेते रहते तो स्कोर आराम से 155 तक पहुंच जाते। अकरम ने कहा कि बांग्लादेश के बल्लेबाजों को शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी को थोड़ा संभलकर खेलना चाहिए था।

गले में संक्रमण के कारण Lakshya Sen ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से नाम वापस लिया

नई दिल्ली।

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गले में संक्रमण के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। अल्मोड़ा के रहने वाला यह 21 वर्षीय खिलाड़ी हाइलो ओपन से ठीक पहले बीमार हो गया था। उन्होंने हालांकि इस टूर्नामेंट में भाग लिया था लेकिन वह पहले दौर में ही हांगकांग के एनजी का लॉन्ग एंगस से हार गए थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 15 से 20 नवंबर के बीच सिडनी में खेला जाएगा। सेन ने कहा कि हाइलो ओपन के लिए सारब्रकेन पहुंचने से पहले ही मुझे बुखार, गले में दर्द और कमजोरी थी। मैं संभवतः पेरिस से यात्रा करते समय संक्रमित हो गया था। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि यह गंभीर नहीं है और इसलिए मैंने पिछले रविवार और फिर सोमवार को अभ्यास किया। इसके बाद संक्रमण बढ़ गया। मैंने ऑनलाइन ही चिकित्सक की सलाह ली और फिर दवाइयां ली। अब यह नियंत्रण में है लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए मैंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हटने का फैसला किया है। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन ने कहा कि उनके पास विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका नहीं है और इस टूर्नामेंट से हटने का एक कारण यह भी था। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही टूर्नामेंट में खेलने के लिए आवेदन भेज दिया था क्योंकि मुझे लगा था कि इससे मुझे विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिलेगी लेकिन अब यह संभव नहीं है। इसलिए बेहतर यही है कि कुछ सप्ताह विश्राम करके पूरी फिटनेस हासिल की जाए ताकि मैं अगले सत्र के लिए तैयार रहूं।

विराट को अक्टूबर महीने के लिए आईसीसी का प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

महिला वर्ग में पाक की निदा को मिला यह अवार्ड

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अक्टूबर महीने के लिए आईसीसी का प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड दिया है। विराट को एशिया कप से टी20 विश्वकप तक बेहतर प्रदर्शन के कारण यह सम्मान मिला है। विश्वकप के सुपर-12 राउंड खत्म होने के बाद कोहली इस टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। उनके 5 मैच में 123 की औसत से 246 रन हैं। वहीं, महिला वर्ग में पाकिस्तान की ऑल राउंडर निदा डार को आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। कोहली पहली बार आईसीसी के प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए हैं। अवार्ड की दौड़ में कोहली का मुकाबला जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर से था पर कोहली को सबसे ज्यादा वोट मिले। कोहली ने अक्टूबर महीने में टी20 फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्टूबर को टी20 विश्व कप में भारत के शुरुआती मैच में 82 रन की नाबाद पारी खेली थी। उनकी इस पारी के बल पर भारत ने पाकिस्तान को हराया था। आईसीसी का 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड जीतने के बाद कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह बहुत सम्मान की बात है। दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों और पैनल द्वारा सबसे बेहतर खिलाड़ी के रूप में चुने जाने से यह सम्मान मेरे लिए और भी विशेष हो जाता है।

पाक टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने को हेडन ने चमत्कार बताया

सिडनी । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मेंटोर मैथ्यू हेडन ने टीक के सेमीफाइनल में पहुंचने को एक चमत्कार बताया है। हेडन ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच के बाद कहा, 'अब ये टीम काफी खतरनाक हो गई है और शायद ही कोई टीम पाकिस्तान से भिड़ना चाहेगी। उन्हें लग रहा था कि वो हमसे बच जाएंगे लेकिन हम यहीं हैं। यह चमत्कार है जो हमने देखा पर अब हमें अपने पर विश्वास था हालांकि हमारी राह आसान नहीं रही। अगर नीदरलैंड वह मैच नहीं जीतता तो हम यहां नहीं होते पर अब हम यहां हैं और अधिक मजबूत हैं। कोई भी हमें सेमीफाइनल नहीं देखना चाहता था और इससे हमें अब फायदा मिलेगा।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज हेडन पिछले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच थे। वह इस बार वह टीम के मेंटोर हैं। सेमीफाइनल में पाक का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। यह मैच बुधवार को सिडनी में खेला जाएगा। टी20 विश्व कप से ठीक पहले पाक ने न्यूजीलैंड को उसके घर पर त्रिकोणीय सीरीज में जीत दर्ज की थी। ऐसे में इस बार पा का मनोबल बढ़ा हुआ है।

टीम इंडिया के सेमीफाइनल तक का सफर उतार-चढ़ाव वाला रहा

मेलबर्न ।

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए टी20 विश्वकप में सेमीफाइनल तक का सफर उतार-चढ़ाव वाला रहा। भारतीय टीम ने अपने अंतिम मुकाबले में जिम्बाब्वे को हराकर ग्रुप-2 में सर्वाधिक अंक हासिल किये है। भारतीय टीम ने चार जीत से आठ अंक हासिल किये हैं जबकि दूसरे स्थान पर रहे पाकिस्तान को इतने ही मैचों में छह अंक मिले हैं। भारतीय टीम अब गुरुवार 10 नवंबर को दूसरे सेमीफाइनल में एडिलेड में इंग्लैंड से खेलेगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले ही टीम इंडिया सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी क्योंकि एडिलेड में हुए एक मुकाबले में नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हराकर उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया था जिससे भारत ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया हालांकि अगर इस मैच का परिणाम विपरीत होता तो भारत की राह कठिन बन जाती क्योंकि रन औसत में भारतीय टीम पीछे थी। भारत ने सुपर-12 के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की। इसके बाद उसने दूसरे मैच में नीदरलैंड्स को आसानी से हराया पर भारतीय टीम को अपने तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इसके बाद भारतीय टीम ने वर्षा बाधित मैच में बांग्लादेश को पांच रन से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने अपने अंतिम मैच में जिम्बाब्वे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

कार्तिक की जगह ऋषभ को सेमीफाइनल में शामिल किये जाने से संभावनाएं अधिक

मेलबर्न । भारतीय टीम के दोनो ही विकेटकीपर बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत का प्रदर्शन इस विश्व कप में अच्छा नहीं रहा है। इससे टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी है। कार्तिक विश्वकप में मिले चार अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। बल्लेबाजी के अलावा उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं रही। ऐसे में ऋषभ को सेमीफाइनल के लिए शामिल किये जाने की पूरी संभावनाएं हैं। ऋषभ को अब तक केवल एक मैच में ही जिम्बाब्वे के खिलाफ अवसर मिला था। वह जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल सके और केवल तीन रन ही बना पाये हालांकि कोच राहुल द्रविड़ से कहा, हमने कभी भी इस युवा विकेटकीपर पर से अपना भरोसा नहीं खोया। उसने नेट्स पर काफी बल्लेबाजी की है और उसने विकेटकीपिंग का भी जमकर अभ्यास किया है, जिससे वह तैयार रहे। द्रविड़ बाएं हाथ के स्पिनर सीन विलियम्स के खिलाफ इस बल्लेबाज के आक्रामक रवैए से संतुष्ट हैं। उन्होने कहा , भले ही वह अपने शॉट को सही तरह से नहीं खेल पाए थे पर उनका रुख सही था। इसलिए मैं इससे परेशान नहीं हूं। उसने सही फैसला किया था। उसकी भूमिका बाएं हाथ के स्पिनर पर हावी होकर खेलना था और उसने ऐसा किया। कभी आप इसमें सफल होते हैं तो कभी असफल। सेमीफाइनल से पहले टीम को उम्मीद होगी कि सभी खिलाड़ी लय हासिल हासिल कर सकें। कप्तान रोहित शर्मा भी अब तक रन बनाने में विफल रहे हैं। उनका प्रयास भी अब इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को मेलबर्न में होने वाले सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलना रहेगा।

देशभर में सिखों के पहले गुरु नानकदेव जी की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवा भाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरू गुरुनानक देव जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पांच प्यारें नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं।

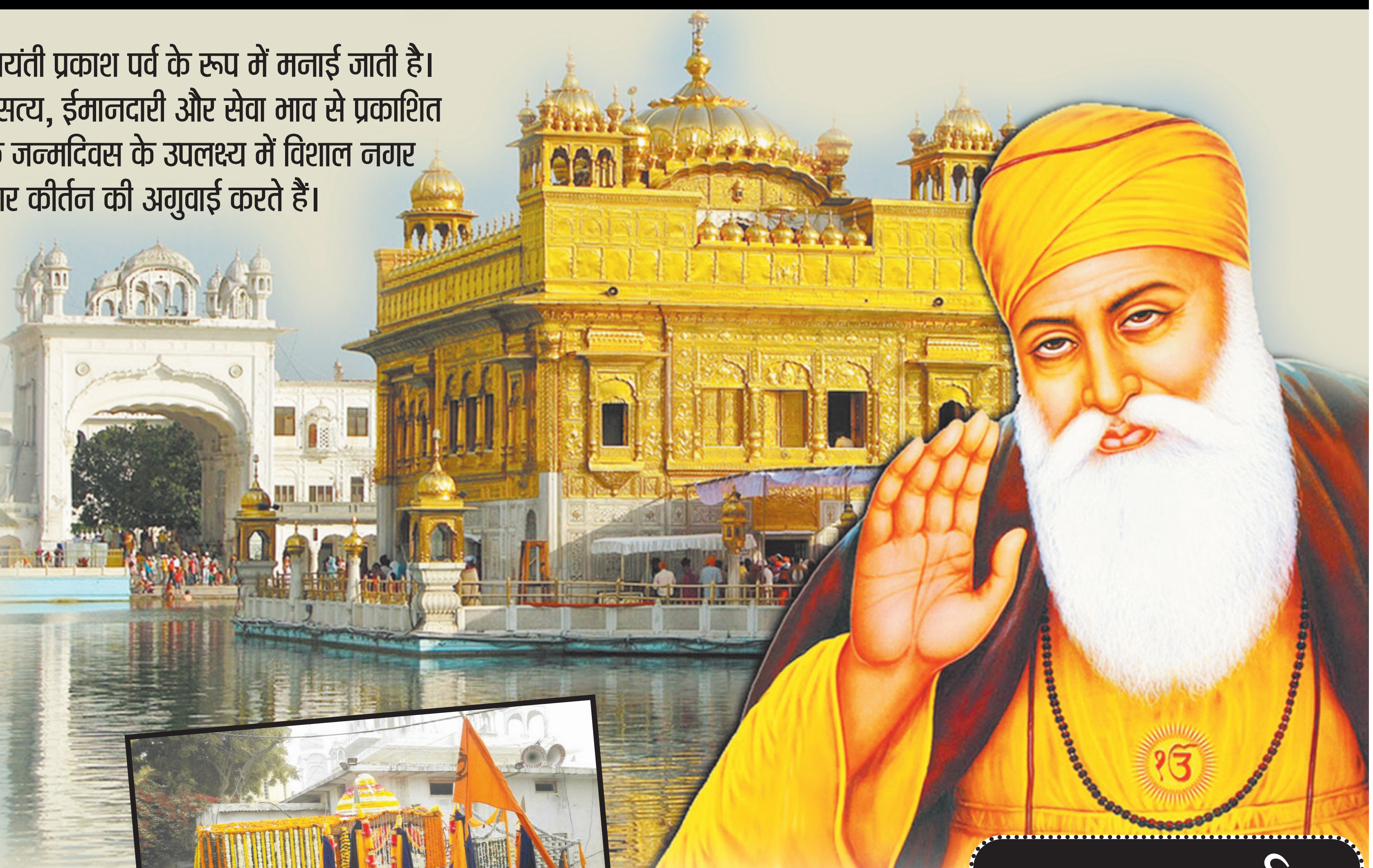

जो बोले सो निहाल सतश्री अकाल

दस सिद्धांत

गुरूनानक देव जी ने अपने अनुयायियों को जीवन के दस सिद्धांत दिए थे। यह सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है।

- ईश्वर एक है।
- सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
- जगत का कर्ता सब जगह और सब प्राणी मात्र में मौजूद है।
- सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
- ईमानदारी से मेहनत करके उदरपूर्ति करना चाहिए।
- बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएँ।
- सदा प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने को क्षमाशीलता माँगना चाहिए।
- मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
- सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
- भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए जरूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।

गुरू नानक देव या नानक देव सिखों के प्रथम गुरू थे। गुरु नानक देवजी का जन्म 15 अप्रैल 1469 ई. (वैशाख सुदी 3, संवत 1526 विक्रमी) में तलवंडी रायभोय नामक स्थान पर हुआ। सुविधा की दृष्टि से गुरु नानक का प्रकाश उत्सव कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है। तलवंडी अब ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। तलवंडी पाकिस्तान के लाहौर जिले से 30 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

जीवन – नानकदेवजी के जन्म के समय प्रसूति गृह अलौकिक ज्योत से भर उठा। शिशु के मस्तक के आसपास तेज आभा फैली हुई थी, चेहरे पर अद्भुत शांति थी। पिता बाबा कालूचंद्र बेदी और माता त्रिपाता ने बालक का नाम नानक रखा। गाँव के पुरोहित पंडित हरदयाल ने जब बालक के बारे में सुना तो उन्हें समझने में देर न लगी कि इसमें जरूर ईश्वर का कोई रहस्य छुपा हुआ है।

जीती नौखंड मेदनी सतिनाम दा चक्र चलाया,
भया आनंद जगत बिच कल तारण गुरू नानक आया।

बचपन से ही नानक के मन में आध्यात्मिक भावनाएँ मौजूद थीं। पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा। पंडितजी ने नानक को और ज्ञान देना प्रारंभ किया तो बालक ने अक्षरों का अर्थ पूछा। पंडितजी निरुत्तर हो गए। नानकजी ने क से लेकर ड़ तक सारी पट्टी कविता रचना में सुना दी। पंडितजी आश्चर्य से भर उठे। उन्हें अहसास हो गया कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। इसके उपरांत नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए बिठाया गया। नानक के प्रश्न से मौलवी भी निरुत्तर हो गए तो उन्होंने अलफ, बे की सीफहीं के अर्थ सुना दिए। मौलवी भी नानकदेवजी की विद्वता से प्रभावित हुए।

विद्यालय की दीवारें नानक को बाँधकर न रख सकीं। गुरु द्वारा दिया गया पाठ उन्हें नीरस और व्यर्थ प्रतीत हुआ। अंतर्मुखी प्रवृत्ति और विरक्ति उनके स्वभाव के अंग बन गए। एक बार पिता ने उन्हें भैंस चराने के लिए जंगल में भेजा। जंगल में भैसों की फिक्र छोड़ वे आँख बंद कर अपनी मस्ती में लीन हो गए। भैंसें पास के खेत में घुस गईं और सारा खेत चर डाला। खेत का मालिक नानकदेव के पास जाकर शिकायत करने लगा। जब नानक ने नहीं सुना तो जमींदार रायबुलार के पास पहुँचा। नानक से पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि घबराओ मत, उसके ही जानवर हैं, उसका ही खेत है, उसने ही चरवाया है। उसने एक बार फसल उगाई है तो हजार बार उगा सकता है। मुझे नहीं लगता कोई नुकसान हुआ है। वे लोग खेत पर गए और वहाँ देखा तो दंग रह गए, खेत तो पहले की तरह ही लहलहा रहा था। एक बार जब वे भैंस चराते समय ध्यान में लीन हो गए तो खुले में ही लेट गए। सूरज तप रहा था जिसकी रोशनी सीधे बालक के चेहरे पर पड़ रही थी। तभी अचानक एक साँप आया और बालक नानक के चेहरे पर फन फैलाकर खड़ा हो गया। जमींदार रायबुलार वहाँ से गुजरे। उन्होंने इस अद्भुत दृश्य को देखा तो आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उन्होंने नानक को मन ही मन प्रणाम किया। इस घटना की स्मृति में उस स्थल पर गुरुद्वारा मालजी साहिब का निर्माण किया गया। उस समय अंधविश्वास जन-जन में व्याप्त थे। आडंबरों का बोलबाला था और धार्मिक कट्टरता तेजी से बढ़ रही थी। नानकदेव इन सबके विरोधी थे। जब नानक का जनेऊ संस्कार होने वाला था तो उन्होंने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि अगर सूत के डालने से मेरा दूसरा जन्म हो जाएगा, मैं नया हो जाऊँगा, तो ठीक है। लेकिन अगर जनेऊ टूट गया तो? पंडित ने कहा कि बाजार से दूसरा खरीद लेना। इस पर नानक बोल उठे- तो फिर इसे रहने दीजिए। जो खुद टूट जाता है, जो बाजार में बिकता है, जो दो पैसे में मिल जाता है, उससे उस परमात्मा की खोज क्या होगी। मुझे जिस जनेऊ की आवश्यकता है उसके लिए दया की कपास हो, संतोष का सूत हो, संयम की गाँठ हो और उस जनेऊ सत्य की पूरन हो। यही जीव के लिए आध्यात्मिक जनेऊ है। यह न टूटता है, न इसमें मैल लगता है, न ही जलता है और न ही खोता है। एक बार पिता ने सोचा कि नानक आलसी हो गया है तो उन्होंने खेती करने की सलाह दी। इस पर नानकजी ने कहा कि वह सिर्फ सच्ची खेती-बाड़ी ही करेंगे, जिसमें मन को हलवाहा, शुभ कर्मों को कृषि, श्रम को पानी तथा शरीर को खेत बनाकर नाम को बीज तथा संतोष को अपना भाग्य बनाना चाहिए। नम्रता को ही रक्षक बाड़ बनाने पर भावपूर्ण कार्य करने से जो बीज जमेगा, उससे ही घर-बार संपन्न होगा।

जीवन की घटनाएं

भादों की अमावस की धुप अँधेरी रात में बादलों की डरावनी गड़गड़ाहट, बिजली की कौंध और वर्षा के झोंके के बीच जबकि पूरा गाँव नींद में निमग्न था, उस समय एक ही व्यक्ति जाग रहा था, नानक। नानक देर रात तक जागते रहे और गाते रहे। आधी रात के बाद माँ ने दस्तक दी और कहा- बेटे, अब सो भी जाओ। रात कितनी बीत गई है। नानक रुके, लेकिन उसी वक्त पपीहे ने शोर मचाना शुरू कर दिया। नानक ने माँ से कहा- माँ अभी तो पपीहा भी चुप नहीं हुआ। यह अब तक अपने प्यारे को पुकार रहा है। मैं कैसे चुप हो जाऊँ जब तक यह गाता रहेगा, तब तक मैं भी अपने प्रिय को पुकारता रहूँगा। नानक ने फिर गाना प्रारंभ कर दिया। धीरे-धीरे उनका मन पुन: प्रियतम में लीन हो गया। कौन है ये नानक, क्या केवल सिख धर्म के संस्थापक। नहीं, मानव धर्म के उत्थापक। क्या वे केवल सिखों के आदि गुरु थे? नहीं, वे मानव मात्र के गुरु थे। पाँच सौ वर्षों पूर्व दिए उनके पावन उपदेशों का प्रकाश आज भी मानवता को आलोकित कर रहा है।

प्रमुख गुरुद्वारा साहिब

गुरुद्वारा कंध साहिब – बटाला (गुरुदासपुर) गुरु नानक का यहाँ बीबी सुलक्षणा से 18 वर्ष की आयु में संवत 1544 की 24वीं जेठ को विवाह हुआ था। यहाँ गुरु नानक की विवाह वर्षगाँठ पर प्रतिवर्ष उत्सव का आयोजन होता है।

गुरुद्वारा हाट साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) गुरुनानक ने बहनोई जैराम के माध्यम से सुल्तानपुर के नवाब के यहाँ शाही भंडार के देखरेख की नौकरी प्रारंभ की। वे यहाँ पर मोदी बना दिए गए। नवाब युवा नानक से काफी प्रभावित थे। यहीं से नानक को तेरा शब्द के माध्यम से अपनी मंजिल का आभास हुआ था।

गुरुद्वारा गुरु का बाग- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) यह गुरु नानकदेवजी का घर था, जहाँ उनके दो बेटों बाबा श्रीचंद और बाबा लक्ष्मीदास का जन्म हुआ था।

गुरुद्वारा कोठी साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) नवाब दौलतखान लोधी ने हिसाब-किताब में ग़ड़बड़ी की आशंका में नानकदेवजी को जेल भिजवा दिया। लेकिन जब नवाब को अपनी गलती का पता चला तो उन्होंने नानकदेवजी को छोड़ कर माफी ही नहीं माँगी, बल्कि प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन गुरु नानक ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

गुरुद्वारा बेर साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) जब एक बार गुरु नानक अपने सखा मर्दाना के साथ वैन नदी के किनारे बैठे थे तो अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए, जहाँ पर कि उन्होंने ईश्वर से साक्षात्कार किया। सभी लोग उन्हें डूबा हुआ समझ रहे थे, लेकिन वे वापस लौटे तो उन्होंने कहा- एक ओंकार सतिनाम। गुरु नानक ने वहाँ एक बेर का बीज बोया, जो आज बहुत बड़ा वृक्ष बन चुका है।

गुरुद्वारा अचल साहिब- गुरुदासपुर अपनी यात्राओं के दौरान नानकदेव यहाँ रुके और नाथपंथी योगियों के प्रमुख योगी भांगर नाथ के साथ उनका धार्मिक वाद-विवाद यहाँ पर हुआ। योगी सभी प्रकार से परास्त होने पर जादुई प्रदर्शन करने लगे। नानकदेवजी ने उन्हें ईश्वर तक प्रेम के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, ऐसा बताया।

गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक- गुरुदासपुर जीवनभर धार्मिक यात्राओं के माध्यम से बहुत से लोगों को सिख धर्म का अनुयायी बनाने के बाद नानकदेवजी रावी नदी के तट पर स्थित अपने फार्म पर अपना डेरा जमाया और 70 वर्ष की साधना के पश्चात सन्? 1539 ई. में परम ज्योति में विलीन हुए।

क्यों मनाते हैं गुरुनानक जयंती

सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देवजी के जन्मदिवस को प्रकाश पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है. गुरुनानक जयंती के पर्व को सिक्ख धर्म के लोगों के अलावा अन्य धर्म के लोग भी खासे उत्साह से मनाते हैं. गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था, उस स्थान का नाम उनके नाम 'ननकाना' से जाना जाता है. ननकाना अब पाकिस्तान में है. नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में ही हो गया था. नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था, इसलिए वो अपनी पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए. गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया. समाज में एकरूपता लाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया. ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 में देह का त्याग किया.

धूमधाम से मनाते हैं इस पर्व को

इस दिन सभी गुरुद्वारों में पूजनीय ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ किया जाता है और गुरु ग्रंथ साहिब को फूलों से सजाया जाता है. इसके बाद इस पवित्र ग्रंथ को पालकी में रखकर नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है. नगर कीर्तन में गुरु ग्रंथ साहिब की सुसज्जित पालकी भव्य समारोह के रूप में निकाली जाती है. पालकी के आगे-आगे पंजप्यारे चलते हैं और श्रद्धालु चल समारोह के लिए मार्ग को साफ करते हैं. इस पर्व के दिन लोगों में खासा उत्साह देखने को मिलता है.

सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। गुरु नानकदेव से मोक्ष तक पहुँचने के एक नए मार्ग का अवतरण होता है। इतना प्यारा और सरल मार्ग कि सहज ही मोक्ष तक या ईश्वर तक पहुँचा जा सकता है। भारतीय संस्कृति में गुरु का महत्व आदिकाल से ही रहा है। कबीर साहब ने कहा था कि गुरु बिन ज्ञान न होए साधु बाबा। तब फिर ज्यादा सोचने-विचारने की आवश्यकता नहीं है बस गुरु के प्रति समर्पण कर दो। हमारे सुख-दुःख और हमारे आध्यात्मिक लक्ष्य गुरु को ही साधने दो। ज्यादा सोचोगे तो भटक जाओगे। अहंकार से किसी ने कुछ नहीं पाया। सिर और चप्पलों को बाहर ही छोड़कर जरा अदब से गुरु के द्वार खड़े हो जाओ बस। गुरु को ही करने दो हमारी चिंता। हम क्यों करें।

जीवन दर्शन

कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन 1469 को राएभोए के तलवंडी नामक स्थान में, कल्याणचंद (मेहता कालू) नाम के एक किसान के घर गुरु नानक का जन्म हुआ। उनकी माता का नाम तृप्ता था। तलवंडी को ही अब नानक के नाम पर ननकाना साहब कहा जाता है, जो पाकिस्तान में है। माना जाता है कि 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ। श्रीचंद और लक्ष्मीचंद नाम के दो पुत्र भी उन्हें हुए। 1507 में वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर पर छोड़कर यात्रा के लिए निकल पड़े। 1521 तक उन्होंने भारत, अफगानिस्तान, फारस और अरब के प्रमुख स्थानों का भ्रमण किया। कहते हैं कि उन्होंने चारों दिशाओं में भ्रमण किया था। लगभग पूरे विश्व में भ्रमण के दौरान नानकदेव के साथ अनेक रोचक घटनाएँ घटित हुईं। 1539 में उन्होंने देह त्याग दी। नाम धरियो हिंदुस्तान – कहते हैं कि नानकदेवजी से ही हिंदुस्तान को पहली बार हिंदुस्तान नाम मिला। लगभग 1526 में जब बाबर द्वारा देश पर हमला करने के बाद गुरु नानकदेवजी ने कुछ शब्द कहे थे तो उन शब्दों में पहली बार हिंदुस्तान शब्द का उच्चारण हुआ था- खुरासान खसमाना कीआ हिंदुस्तान डराईआ।

कैसे मनाई जाती है गुरुनानक जयंती

सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देवजी के जन्मदिवस को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व को सिक्ख धर्म के साथ ही अन्य धर्मों के लोग भी खासे उत्साह से मनाते हैं। इस दिन दुनियाभर के सभी गुरुद्वारों में कई धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

अंधकार मिटाता है प्रकाश पर्व

गुरुनानक ने अपना पूरा जीवन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में अर्पित कर दिया और समाज को एक नई दिशा दिखाई। उनका जन्म ऐसे समय हुआ जब मुगलों द्वारा भारत पर आक्रमण किए जा रहे थे। चारों ओर अत्याचार और हिंसा का वातावरण था। ऐसे समय में गुरुनानक ने सभी को शांति और सद्भाव बनाए रखने की शिक्षा दी। नानकदेवजी ने समाज से ऊंच-नीच का भेद खत्म किया और सभी के साथ समान व्यवहार करने बात कही। गुरुनानक का जन्मदिन प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है, प्रकाश पर्व का अर्थ है हम अपने मन का अंधकार मिटाकर ईश्वर की भक्ति करें, साथ ही समाज में फैली कुरीतियां, भेदभाव रूपी अंधकार को मिटा दें।

गुरुद्वारों की आकर्षक सजावट

गुरुनानक जयंती को लेकर गुरुद्वारों पर कई दिनों पहले से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। गुरुद्वारों को सजाया जाता है, जिससे इनकी सुंदरता देखते ही बनती है। रात के समय रंग-बिरंगी झिलमिलाती विद्युत सज्जा सभी का मन मोह लेती है।

नगर कीर्तन का आयोजन

प्रकाश पर्व पर सभी गुरुद्वारों पर सिक्ख धर्म पवित्र और पूजनीय ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ किया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु ग्रंथ साहिब की फूलों से आकर्षक सजावट की जाती है। तत्पश्चात इस पवित्र ग्रंथ को पालकी में रखकर नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है। नगर कीर्तन में गुरु ग्रंथ साहिब की सुसज्जित पालकी भव्य चल समारोह के रूप में निकाली जाती है। पालकी के आगे-आगे पंजप्यारे चलते हैं। पंजप्यारे की पारंपरिक वेशभूषा सभी के आकर्षण का केंद्र होती है। ग्रंथ साहिब में आस्था रखने वाले श्रद्धालु चल समारोह के लिए मार्ग को साफ करते हुए चलते हैं। बच्चे और नौजवान कई तरह के खेल दिखाते हैं। जिसे देखकर उपस्थित लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं।

सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक लंगर

प्रकाश पर्व के दिन लगभग सभी गुरुद्वारों में लंगर का आयोजन किया जाता है। लंगर में किसी भी प्रकार का कोई जाति-बंधन नहीं होता यहां सभी बराबर से भोजन प्रसादी प्राप्त करते हैं। साथ ही यहां सभी धर्मों को समभाव से भोजन कराया है। लंगर सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल माने जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को दिया आदेश, 24 घंटे के भीतर इमरान खान पर हमले की प्राथमिकी दर्ज करें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब प्रांत के महानिरीक्षक को इमरान खान पर हमले पर 24 घंटे के भीतर मामला दर्ज करने का आदेश दिया। इमरान खान ने कहा कि उनके जीवन पर फ्रहत्या के प्रयासफ्र पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है क्योंकि अधिकारी तब तक मामला दर्ज करने से इनकार कर रहे हैं जब तक कि वह शिकायत से सेना के जनरल का नाम नहीं हटाते। फिलहाल दाहिने पैर में गोली लगने से घायल खान को सफल सर्जरी के बाद रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 70 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री को अब लाहौर में एक निजी आवास में स्थानांतरित कर दिया गया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के पुलिस प्रमुख फैसल शाहकर को 24 घंटे के भीतर खान पर हमले की प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल ने कहा कि अगर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो शीर्ष अदालत स्वत- संज्ञान लेगी। उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए सुप्रीम कोर्ट की लाहौर रजिस्ट्री से सुनवाई में शामिल हुए शाहकर से यह भी पूछा कि प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा, 'हमें बताएं कि प्राथमिकी कब दर्ज की जाएगी,' उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का एक ठोस कारण होना चाहिए। सीजेपी ने प्रांतीय पुलिस प्रमुख को आश्वासन दिया कि जब तक वह आईजी के पद पर तैनात हैं, तब तक कोई भी उनके काम में हस्तक्षेप नहीं करेगा। आईजी साहब आप अपना काम करो। अगर कोई हस्तक्षेप करता है, तो अदालत उनके काम में हस्तक्षेप करेगी। इस बीच, पीटीआई के फवाद चौधरी ने इमरान के खिलाफ हमले पर पहली सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को 'न्याय की दिशा में पहला कदम' बताया है। मुख्यमंत्री परवेज इलाही के नेतृत्व में प्रांत में राजनीतिक सेटअप – ने अदालत को सूचित किया कि 'हमने प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री से बात की है और उन्होंने कुछ आपत्तियां व्यक्त की हैं।

भारत को 500 गीगावॉट की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए 300 अरब डॉलर के रणनीतिक निवेश की जरूरत: रिपोर्ट

वाशिंगटन। भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को करीब 300 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। ऑर्थर डी लिटल (एडीएल) की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पास 165 गीगावॉट की हरित ऊर्जा क्षमता पहले से है। भारत अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा जरूरत को नवीकरणीय पोर्टफोलियो से पूरा करने के लिए सही दिशा में अग्रसर है। एडीएल की रिपोर्ट 'पावरिंग इंडियाज एनर्जी विजन–2030' में कहा गया है कि भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए 300 अरब डॉलर के अतिरिक्त रणनीतिक निवेश की जरूरत है। रिपोर्ट के अनुसार, अगले दशक के दौरान भारत में बिजली की खपत सालाना 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और 2030 तक वार्षिक मांग 2,300 अरब यूनिट (बीयू) पर पहुंच जाएगी। हालांकि, मौजूदा रफ्तार से देखा जाए, तो 2030 तक उत्पादन सिर्फ 2,024 अरब यूनिट पर पहुंचेगा।

मैक्सिको में आतिशबाजी के दौरान विस्फोट, 17 लोग घायल

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको में डे ऑफ द डेड मनाते समय आतिशबाजी के दौरान विस्फोट होने से 17 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसा शनिवार को मैक्सिको के खाड़ी तट क्षेत्र की हुएजुतला बस्ती में हुआ। तेहुएटलान गांव के निवासी 'डे ऑफ द डेड' मना रहे थे। तभी गली में आतिशबाजी के दौरान विस्फोट हुआ और वहां खड़े लोग चिंगारी की चपेट में आ गए। घायलों में दो गर्भवती महिलाएं और तीन बच्चे भी शामिल हैं। एक लड़की गंभीर रूप से झुलस गई है। मैक्सिको सिटी के पश्चिम में एक टाउन फेस्टिवल उत्सव के दौरान सितंबर में आतिशबाजी के दौरान हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 39 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि, मैक्सिको में आतिशबाजी के दौरान हादसे दुर्लभ ही होते हैं।

एफिल टॉवर के सामने ने अर्द्धनग्न हुई ब्राजीलियाई मॉडल, मचा हंगामा

पेरिस । फ्रांस में ब्राजील की दो मॉडलों के फोटोशूट से बवाल मच गया है। इन मॉडलों के वायरल वीडियो में दिख रहा है, कि उन्होंने एफिल टॉवर के सामने अपने कपड़े उतार दिए। इन मॉडल की पहचान गैब्रिला वेरसिआनी और गबिली के रूप में हुई है। पेरिस में अर्द्धनग्न दिखाई देने के बाद पुलिस वहां पहुंच गई और उन्हें तत्काल कपड़े पहनने के लिए कह दिया। ये मॉडल अपने बिकिनी बिजनस को बढ़ावा देने के लिए आई थीं। यह घटना 31 अक्टूबर की है। ब्राजीलियाई मॉडलों ने घटना के वीडियो और तस्वीरों को इंस्टाग्राम पेज पर डाला तब सोशल मीडिया पर तूफान मच गया। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि ये लड़कियां अपने लंबे काले कोट को उतार रही हैं और वहीं एक अन्य मॉडल ने ऐसा ब्लेजर पहना है जिससे उसके शरीर का निचला हिस्सा दिखाई दे रहा है। एफिल टॉवर के सामने हुई घटना के समय ये मॉडल चारों तरफ से पर्यटकों और परिवारों से घिरी हुई थीं। मॉडल्स की इस हरकत को देखकर एक महिला पुलिसकर्मी वहां पहुंची और उसने उन्हें अपने शरीर को ढंकने के लिए कहा। इस पूरे मामले का वीडियो बनाने वाली एक ब्राजीलियाई महिला वेनेसा लोपेज ने अपने फॉलोवर्स से खुलासा किया कि उन्हें लगभग अरेस्ट कर लिया गया होता, क्योंकि हम बिकिनी का प्रचार कर रहे थे और फ्रांस की पुलिस ने कहा कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं। हमने उन्हें बताया कि यह बिकिनी है और इसका बिजनस करते हैं। वेनेसा को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक पर्यटन स्थल के सामने अर्द्धनग्न तस्वीर लेना कानून के खिलाफ है। वहीं ब्राजीलियाई मॉडल्स की हरकत पर सोशल मीडिया पर लोग भड़क गए और उन्हें इस हरकत के लिए शर्म आनी चाहिए। वहीं अन?य लोगों ने कहा कि महिला मॉडल्स ने अपनी सीमा रेखा को पार कर लिया है।

पाकिस्तान पुलिस अधिकारी के बैंक खाते में आए 10 करोड़ रुपये, रातों–रात करोड़पति बना

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में एक पुलिस अधिकारी के बैंक खाते में एक अज्ञात स्रोत से 10 करोड़ रुपये आ गये, जिससे वह रातोंरात करोड़पति बन गया। कराची के बहादुराबाद पुलिस थाने के जांच अधिकारी यह जानकर हैरान रह गए कि उनके बैंक खाते में उनके वेतन समेत 10 करोड़ रुपये जमा हो गए हैं। पुलिस अधिकारी आमिर गोपांग ने कहा, ''मैं अपने खाते में इतना पैसा देख आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि इतना पैसा देखने की बात तो दूर, मेरे खाते में कुछ हजार रुपये से ज्यादा कभी भी नहीं आए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में तब पता चला जब बैंक ने मुझसे संपर्क किया और मुझे बताया कि मेरे खाते में 10 करोड़ रुपये हस्तांतरित हो गए हैं।'' उन्होंने कहा कि उनके बैंक खाते पर रोक लगा दी गई थी और उनके एटीएम कार्ड को भी बैंक ने 'ब्लॉक' कर दिया था, क्योंकि वे जांच कर रहे थे। इसी तरह की घटनाओं में लरकाना और सुक्कुर में, अन्य पुलिस अधिकारियों को भी उनके बैंक खातों में बड़ी रकम मिली थी। लरकाना में, तीन पुलिस अधिकारियों को पता चला कि उनमें से प्रत्येक के खाते में पांच करोड़ रुपये हस्तांतरित हुए थे, जबकि सुक्कुर में एक पुलिस अधिकारी के खाते में इतनी ही राशि आई थी। संपर्क करने पर लरकाना पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, ''तीनों पुलिस अधिकारियों ने इस बात की जानकारी से इनकार किया है कि उनके खातों में बड़ी मात्रा में पैसा कैसे आया।

तंजानिया में छोटा यात्री विमान दुर्घटना के बाद विक्टोरिया झील में गिरा, 19 लोगों की मौत

तंजानिया। पूर्वी अफ्रीका में स्थित तंजानिया में एक हवाई अड्डे की तरफ जा रहा एक छोटा यात्री विमान रविवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त होकर विक्टोरिया झील में गिर गया। तंजानिया के प्रधानमंत्री कासिम मजालिवा ने बताया कि इस हादसे में विमान सवार 19 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि विमान में सवार 26 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विमान बुकोबा हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, लेकिन हादसे का शिकार हो गया।

अभी यह नहीं पता चल सका है कि बचाए गए लोगों में से किसी की अस्पताल में मौत हुई है या नहीं। तंजानिया की एअरलाइन कंपनी 'प्रीसीजन एअर' ने कहा कि विमान ने तटवर्ती शहर 'दार एस सलाम' से उड़ान भरी थी। मीडिया की खबरों में झील में काफी हद तक डूबे विमान की तस्वीर दिखाई गई है। कागेरा प्रांत के पुलिस कमांडर विलियम मवापाघले ने संवाददाताओं से कहा कि बचावकर्मियों ने काफी लोगों को बचाया है। विलियम ने कहा, ''जब विमान हवा में 100 मीटर की ऊंचाई पर था, तभी इसे खराब मौसम का सामना करना पड़ा। बरसात हो रही थी और विमान पानी में गिर गया। बचाव कार्य जारी है।

उत्तर कोरिया ने एक अज्ञात जगह पर मिसाइल परीक्षण किया।

यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में जारी हमलों में रूस को हो रहा नुकसान: जेलेंस्की

कीव । रूस-यूक्रेन युद्ध का अब 10वा महीना चल रहा है। रूस के एडवांस हथियारों ने यूक्रेन के शहरों को तबाह कर डाला है, लेकिन यूक्रेन भी युद्ध में डटा हुआ है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में जारी भयंकर हमलों में रूस को भारी नुकसान हो रहा है। उनका मानना है कि रूस इस नुकसान को बर्दाश नहीं करेगा इसलिए यूक्रेनी ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर हमला करेगा ताकि शहर में ब्लैकआउट की स्थिति बन जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार रात को वीडियो संबोधन में कहा कि यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में युद्ध जारी है जिसमें रूस को भारी नुकसान हो रहा है इसलिए रूस यूक्रेनी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर नए हमले की तैयारी कर रहा है। 24 फरवरी 2022 से शुरू हुए इस युद्ध में यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को भारी क्षति पहुंचाई गई है जिस वजह से हजारों-लाखों की संख्या में लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। हाल ही में यूक्रेन के इस नुकसान को देखते हुए 12 देशों ने मदद के लिए हाथ मिलाया था। यूक्रेन के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बहाल करने में मदद के लिए ये 12 देश यूक्रेन को ऊर्जा उपकरणों की आपूर्ति करने वाले हैं। स्पेन, इटली, लिथुआनिया, इजरायल, जर्मनी, उत्तरी मैसेडोनिया, पोलैंड, कोरिया गणराज्य, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, फिनलैंड और फ्रांस से कुल मिलाकर देश को 954 यूनिट ऊर्जा उपकरण मिलने वाले हैं।

इमरान का जीते जी पोस्टमार्टम कराना चाहते हैं शहबाज?

– पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का बयान वायरल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हुए हमले को लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का बयान वायरल हो रहा है। इसमें वह इमरान खान को पोस्टमार्टम कराने की सलाह देते नजर आ रहे हैं। शहबाज कहते हैं कि इमरान को 4 गोलियां लगी हैं, 8 गोलियां लगी हैं या 16 गोलियां लगी हैं। यह देश को बताना चाहिए। आखिर अब तक पोस्टमार्टम क्यों नहीं हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के इस बयान को सुनकर लोग हैरान हैं कि क्या उन्हें नहीं पता कि पोस्टमार्टम तो मरे हुए लोगों का होता है। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स लिख रहे हैं कि क्या शहबाज इमरान का जीते जी ही पोस्टमार्टम कराना चाहते हैं? इस मामले में अब तक एफआईआर दर्ज न होने को लेकर शहबाज ने कहा ?कि अगर ऐसा है तो ये पंजाब सरकार से पूछें। आखिर पंजाब में तो उन्हीं की सरकार है, मेरी तो नहीं। पंजाब में उन्हीं का आईजी है, उन्हीं का मुंसिफ है। दरअसल, खान का आरोप कि उनकी हत्या के प्रयास के मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, क्योंकि शिकायत से सेना के जनरल का नाम हटाए जाने तक अधिकारी मामला दर्ज करने से इनकार कर रहे हैं।

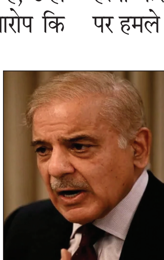

पंजाब प्रांत के वजीराबाद जिले में हकीकी आजादी मार्च के दौरान खान के कंटेनर पर 2 बंदूकधारी हमला किया था। इस गोलीबारी में खान के दाहिने पैर में गोली लगी थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख खान ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, गृहमंत्री राणा सनाउल्ला और मेजर जनरल फैसल नसीर ने उन्हें जान से मारने की साजिश रची। जैसे कि 2011 में पंजाब के पूर्व गवर्नर सलमान तासीर की धार्मिक उन्मादियों के हाथों हत्या कराई गई थी। शहबाज ने कहा कि खान पर हमले से संबंधित किसी भी साजिश में उनकी संलिप्तता पाए जाने पर वह पद छोड़ देंगे। अगर खान सबूत देते हैं कि मैं या गृह मंत्री या सैन्य अधिकारी साजिश में शामिल थे, तो मैं एक मिनट के लिए भी प्रधानमंत्री नहीं रहूंगा। मैं इस्तीफा दे दूंगा। शहबाज ने कहा कि खान की ओर से लगाए गए आरोपों ने पाकिस्तान की नींव पर प्रहार किया है और वह देश को अस्थिरता से बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सेना के खिलाफ सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खान सिर से पांव तक झूठे हैं और वह पाकिस्तान को तबाह करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका और द.कोरिया को चुनौती देने उत्तर कोरिया ने किया युद्धाभ्यास

प्योंगयांग (एजेंसी)।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ चल रहे तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने तबाही मचाने में सक्षम मिसाइलों के परीक्षण की तस्वीरें जारी करके बड़ी चेतावनी दी है। उ.कोरिया ने अमेरिका और द.कोरिया की हाल ही में हुई मिलिट्री ड्रिल की निंदा कर कहा कि यह दोनों देशों की ओर से पूरी तरह से भड़काऊ कार्रवाई है। साथ ही उत्तर कोरिया के खिलाफ खतरनाक युद्धाभ्यास है, जिसका वह बेरहमी से जवाब देगा।

कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि उत्तर कोरिया आगे भी दक्षिण कोरिया और अमेरिका के युद्धाभ्यास का 'सतत, जोरदार और दृढ़ता के साथ व्यवहारिक कदम उठाकर जवाब देता रहेगा। उत्तर कोरिया की मीडिया ने इसकी जानकारी दी। उ.कोरिया ने पिछले सप्ताह कई मिसाइलें और हजारों तोप के गोले दागे थे। इसमें एक अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल भी थी, जो संभवतः फेल हो गई थी।

उ.कोरिया ने अमेरिका और द.कोरिया के युद्धाभ्यास के जवाब में यह शक्ति प्रदर्शन किया था। तानाशाह की सेना ने कहा कि यह अमेरिका और दक्षिण कोरिया का अभ्यास बहुत आक्रामक प्रकृति का था। इस अभ्यास में दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैकड़ों फाइटर जेट ने हिस्सा लिया था। इसमें सुपरसोनिक बी1 बी बॉम्बर भी शामिल हैं। पहली बार कोरियाई प्रायद्वीप में बी1 बी बॉम्बर ने दिसंबर 2017 में उड़ान भरी थी। उत्तर कोरियाई सेना ने कहा कि उसने दुश्मन के हवाई ठिकानों और फाइटर जेट पर हमले का अभ्यास किया। साथ ही दक्षिण कोरिया के बड़े शहरों में भी तबाही मचाने के अभ्यास को अंजाम दिया गया। उत्तर कोरियाई मीडिया ने यह नहीं बताया कि तानाशाह किम जोंग उन ने इस अभ्यास को देखा था या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया ने 2 नवंबर को परमाणु बम गिराने में सक्षम 'रणनीतिक' क्रूज मिसाइलों का दक्षिण कोरिया के पास परीक्षण किया है।

ट्विटर पर नकली खाते बनाने वालों का खाता स्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा: मस्क

लंदन (एजेंसी)।

ट्विटर कंपनी के मालिक एलन मस्क ने रविवार को कहा कि मंच पर यदि कोई खाता किसी और की पहचान को अपनी पहचान के तौर पर दिखाने की कोशिश करता पाया जाता है, तो उसे स्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा। ट्विटर ने 7.99 डॉलर प्रति माह के शुल्क पर सत्यापित खातों को दिए जाने वाले 'ब्लू टिक' (नीला निशान) के साथ सब्सक्रिप्शन सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इसकी बाद कुछ मशहूर हस्तियों ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर अपने नाम को मस्क के नाम से बदलकर इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी।

इसी के मद्देनजर मस्क ने खाते निलंबित करने की चेतावनी दी। मस्क ने कहा, ''अगर कोई खाता खुद को साफ-साफ 'पैरोडी' खाता घोषित किए बिना किसी और की पहचान की नकल करते पाया गया, तो उस खाते को निलंबित कर दिया जाएगा।'' इसके अलावा एक अलग ट्वीट में मस्क ने कहा, ''इससे पहले हम खाता निलंबित करने से पहले चेतावनी जारी करते थे, लेकिन ट्विटर अब बड़े पैमाने पर खाता सत्यापन का काम कर रहा है तो अब (निलंबन से पहले) किसी तरह की चेतावनी नहीं दी जाएगी।'' एलन मस्क ने ये भी कहा, ''अगर कोई यूजर अपने खाते का नाम बदलता है तो वह अस्थाई रूप से ब्लू टिक खो देगा।'' कॉमेडियन कैथी ग्रिफिन ने ट्विटर पर अपना नाम मस्क के नाम से बदल दिया था और रविवार को उनका खाता निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने ब्लूमबर्ग के एक पत्रकार को बताया कि उन्होंने मस्क की प्रोफाइल फोटो का भी इस्तेमाल किया था।

चीन के लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट के बड़े टुकड़े दक्षिण मध्य प्रशांत महासागर में गिरे

–यूएस स्पेस कमांड ने अपने दो ट्वीट में दी जानकारी

बीजिंग (एजेंसी)।

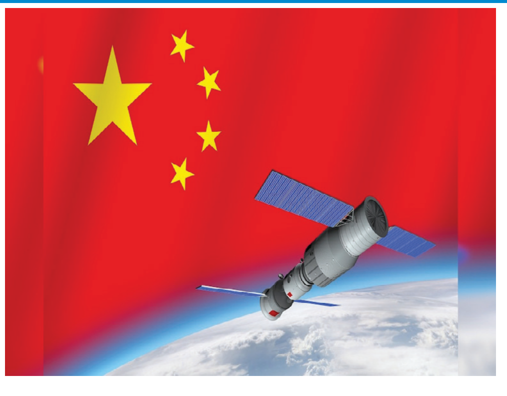

यूएस स्पेस कमांड ने अपने दो ट्वीट में बताया कि चीन के लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट के बड़े टुकड़े दक्षिण मध्य प्रशांत महासागर में गिर गए हैं। टुकड़े उन रॉकेट के थे जिनका उपयोग तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के तीसरे और अंतिम मॉड्यूल को वितरित करने के लिए किया जाता था। यूरोपीय और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसियों ने कहा कि रॉकेट चार दिन पहले दक्षिणी चीन से लांच किया गया था और फिर री एंट्री के दौरान टूट गया। राकेट के इन अनियंत्रित टुकड़ों को लेकर धरती पर बड़ा संकट पैदा कर दिया था। दुनिया भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिक लगातार इन टुकड़ों को ट्रैक कर रहे थे ताकि किसी अनहोनी को टाला जा सके। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा यह महत्वपूर्ण है कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर रहे सभी देशों को स्थापित सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करना चाहिए, ताकि इस प्रक्रिया में किसी हादसे की संभावनाएं रोकी जा सके।

पश्चिमी अंतरिक्ष एजेंसियों ने कहा कि एक टुकड़ा रॉकेट के मुख्य चरण से अलग हुआ था, जो लगभग 30 मीटर लंबा और 17 से 23 टन वजनी था। यह निकट अतीत में फिर से प्रवेश करने वाले मलबे के सबसे बड़े टुकड़ों में से एक था। वहीं स्पेन के हवाई नेविगेशन प्राधिकरण ने चीनी अंतरिक्ष वस्तु सीजेड-5 बी के अवशेषों के अनियंत्रित प्रवेश को देखते हुए अपने हवाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों को लगभग 40 मिनट के लिए बंद कर दिया था।

एयरोस्पेस विशेषज्ञ ने कहा कि इस मलबों से मनुष्यों के हिट होने की संभावना कम थी। हालांकि जो चिंता की बात थी, वह यह कि रॉकेट चरण में डिजाइन द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली नहीं थी कि यह पृथ्वी पर एक निर्दिष्ट स्थान पर गिरे। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा यह महत्वपूर्ण है कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर रहे सभी देश जिम्मेदार और पारदर्शी हों और स्थापित सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करें, ताकि इस प्रक्रिया में किसी हादसे की संभावना रोकी जा सके।

मई 2020 में, रॉकेट की पहली तैनाती के दौरान, टुकड़े आइवरी कोस्ट में गिरे थे, जिससे इमारतों को कुछ नुकसान हुआ था, दूसरी और तीसरी उड़ानों का मलबा हिंद महासागर और फिलीपींस के पास गिरा था। 2023 में उसी डिजाइन के एक रॉकेट का फिर से उपयोग किए जाने की उम्मीद है, जो फिर संकट की वजह बन सकता है।

रूस और यूक्रेन की जंग के बाद विदेश मंत्री जयशंकर रवाना होंगे मॉस्को, दुनिया की इस यात्रा पर नजरें

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो दिवसीय मास्को यात्रा पर है, जिस पर दुनिया भर की नजरें है। दरअसल विदेश मंत्री एस. जयशंकर सात नवंबर को पहली बार यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस की यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा के दौरान वो अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत करेंगे। माना जा रहा है कि दोनों नेता द्विपक्षीय मुद्दों तथा विभिन्न क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर बैठक में चर्चा की जाएगी।

बता दें कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद ये यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। इसके अलावा डॉक्टर जयशंकर रूसी परिसंघ के उप -प्रधानमंत्री तथा व्यापार और उद्योग मंत्री डेनिस मांटूरोव से मुलाकात करेंगे। हालांकि यात्रा के दौरान जयशंकर की राष्ट्रपति पुतिन के साथ मुलाकात होने की कोई संभावना नहीं है।

बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच फिर से टकराव की स्थिति देखने को मिल रही है। इसी बीच पश्चिमी देश भी विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस यात्रा को लेकर काफी उम्मीद से देख रहे है। माना जा रहा है कि रूस पर विदेश मंत्री दवाब डालकर इस युद्ध को खत्म करने का प्रयास करेंगे। बता दें कि इस यात्रा को लेकर अबतक भारतीय विदेश मंत्रालय ने कोई आधिकारिक बयान साझा नहीं किया है।

इस यात्रा के दौरान उम्मीद लगाई जा रही है कि भारत कह सकता है कि ये युद्ध का दौर नहीं है। संभावना है कि अपने समकक्ष के साथ बैठक कर सर्गेई लावरोव द्विपक्षीय बैठक कर सकते है।

पीएम मोदी भी कर चुके हैं अपील

बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कह चुके हैं कि आज का युग युद्ध का नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि हम पिछले कई दशकों से हर पल एक दूसरे के साथ रहे हैं। लगातार दोनों देश इस क्षेत्र की भलाई के लिए काम कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री भी कर चुके हैं अपील

रूस और यूक्रेन में बढ़ती शत्रुता के बीच रूस के रक्षा मंत्री की पहल पर बातचीत कर चुके है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से निकाला जाना चाहिए और किसी भी पक्ष को परमाणु विकल्प पर विचार नहीं करना चाहिए। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शोइगु ने फोन पर हुई बातचीत में सिंह को यूक्रेन के मौजूदा हालात से अवगत कराया जिसमें डर्टी बम का इस्तेमाल करके उकसावे वाली कार्रवाई को लेकर चिंताएं शामिल हैं।

सार समाचार

मोदी सरकार ने पिछले पांच सालों में 2 लाख युवाओं की भर्ती की –बीएसएफ और सीआरपीएफ में हुई ये भर्ती

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों के तहत पिछले पांच सालों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में लगभग दो लाख लोगों की भर्ती हुई है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि जुलाई 2022 के अंत तक बीएसएफ, सीआरपीएफ, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस(आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और असम राइफल्स (एआर) में अब भी 84,000 से अधिक पद रिक्त थे, इन्हें भी भरने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्ष 2017 से 2021 तक सीआरपीएफ में सबसे अधिक 1,13,208 युवाओं की भर्ती हुई, 29,243 युवाओं को एसएसबी में और 17,482 युवाओं को बीएसएफ ने शामिल किया गया। पिछले पांच वर्षों में सीआईएसएफ में 12,482 युवाओं, आईटीबीपी में 5,965 और असम राइफल्स में 5,938 युवाओं को भर्ती किया गया। आंकड़ों के अनुसार, 2022 में भी जुलाई तक, 6 केंद्रीय बलों में 10,377 युवाओं की भर्ती की गई। सीआरपीएफ में 6,509,एसएसबी में 1,945, बीएसएफ में 1,625, असम राइफल्स में 229 और सीआईएसएफ में 69 युवा भर्ती किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने 22 अक्टूबर को एक भर्ती अभियान शुरू किया था, जिसके तहत अगले 18 महीनों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 10 लाख कर्मियों की नियक्ति किए जाने का लक्ष्य है। नवनियुक्त 75,000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र सौंप दिए गए हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई 2022 तक छह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 84,659 पद रिक्त थे।इसमें सीआरपीएफ में 27,510, बीएसएफ में 23,435, सीआईएसएफ में 11,765, एसएसबी में 11,143, असम राइफल्स में 6,044 और आईटीबीपी में 4,762 पद रिक्त हैं।

जम्मू-कश्मीर: सफेद चादर से ढ़का गुलमर्ग, ऊंचाई वाले अन्य इलाकों में भारी हिमपात

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग रिसॉर्ट में सोमवार को भारी बर्फबारी हुई और पूरा क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक गया। वहीं केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हिमपात और बारिश होने से दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घाटी में बर्फबारी के परिणामस्वरूप मौसम बदलने से पर्यटकों के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में करीब नौ से 12 इंच ताजा हिमपात दर्ज किया गया। मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के एक अन्य पर्यटन स्थल सोनमर्ग में करीब तीन इंच ताजा हिमपात हुआ। उन्होंने बताया कि कुपवाड़ा में श्रीनगर-तंगधार मार्ग पर साधना दर्रे में करीब दो फुट हिमपात हुआ, जबकि माछिल में करीब पांच इंच हिमपात हुआ। वहीं, उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा के गुरेज में तीन इंच ताजा हिमपात हुआ। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के अन्य इलाकों में भी ताजा हिमपात होने की सूचना है। श्रीनगर समेत घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई। अधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर दोपहर बाद तक बारिश/बर्फबारी जारी रहने का अनुमान है और शाम को मौसम में सुधार होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक एक और पश्चिमी विक्षोभ के परिणामस्वरूप 9 से 11 नवंबर के बीच हल्की से मध्यम बारिश / हिमपात होने का अनुमान है।

जेंडर बदलकर महिला से पुरुष बने आरव ने कबड्डी खिलाड़ी कल्पना के साथ लिए फेरे

डीग । राजस्थान के डीग में जेंडर बदलवा कर महिला से पुरुष बने, आरव ने कबड्डी खिलाड़ी कल्पना के साथ सात फेरे ले लिए। राजस्थान के डीग में रहने वाले बडेसरा गांव की मीरा का जन्म लड़की के रूप में हुआ था। लेकिन उसके हाव-भाव लड़कों के तरह थे। मीरा ने जेंडर चेंज करने के लिए अपना ऑपरेशन दिल्ली के एक अस्पताल में 2019 में कराया था। 2021 तक मीरा का पूर्ण इलाज चला। इलाज के दौरान इसका ध्यान रखने के लिए इसकी छात्रा कल्पना ने इसका पूरा ध्यान रखा। दोनों के बीच इश्क परवान चढ़ा। 4 नवंबर को परिवार की सहमति से दोनों ने सात फेरे ले लिए। कल्पना कबड्डी की राष्ट्रीय खिलाड़ी है। 2 साल के इलाज में आरव पूरी तरीके से पुरुष बन गया।

दुनिया भर में फैला भारतीय हैकर्स का जाल – सैकड़ों ईमेल खातों को अवैध रूप से हैक करके हजारों डॉलर कमा रहे हैकर्स

नई दिल्ली । भारत में हैकिंग गिरोह अब निजी जांचकर्ताओं के इशारे पर दुनिया भर में सरकारी अधिकारियों और प्रमुख हस्तियों के सैकड़ों ईमेल खातों को अवैध रूप से हैक करके हजारों डॉलर कमा रहे हैं। भारत अब एक विश्वव्यापी हैकिंग घोटाले का केंद्र बन गया है। जांच में पाया गया कि अक्सर पीड़ितों से भारतीय हैकर सोशल मीडिया पर दोस्ती करते थे। हैकर्स ने उन्हें क्लिक करने के लिए कुछ ऐसा भेजा, जिसमें उनकी दिलचस्पी थी। फिर जब उन्होंने उस पर क्लिक किया, तो उन्होंने अपने कंप्यूटर पर मैलवेयर डाउनलोड कर लिया. जिससे हैकर को उनके ईमेल इनबॉक्स तक पहुंचने की अनुमति मिल गई। ब्रिटेन के एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक जिन भारतीय हैकरों से बात की गई, उन्होंने दावा किया कि वे कभी पकड़े नहीं गए और हर काम के लिए उन्होंने हजारों अमेरिकी डॉलर कमाए। इन हैकरों में से अधिकांश ने साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के रूप में अपना करियर शुरू किया था। इस मामले की पड़ताल के लिए कुछ विदेशी रिपोर्टरों को भारत भेजा गया था। जांचकर्ता बने इन अंडरकवर रिपोर्टरों ने अवैध हैकिंग उद्योग में घुसपैठ करने के लिए भारत के कुछ बड़े कंप्यूटर हैकरों को काम देने का लालच दिया। अंडरकवर पत्रकारों ने लंदन के मेफेयर में एक नकली कॉर्पोरेट जांच कंपनी की स्थापना की। इसके बाद उन्होंने भारत के कुछ टॉप हैकरों से यह कहते हुए संपर्क किया कि वे अपने ग्राहकों के टारगेट की निजी जानकारी हासिल करना चाहते हैं। जब जवाबों की बाढ़ आ गई, तो वे भारत आए और इन हैकरों का इंटरव्यू लिया और गुप्त रूप से उनके काम के बारे में और जानने के लिए स्टिंग ऑपरेशन किया। बेंगलुरु के हैकर ने दावा किया कि उसने भारत सरकार के लिए हैकिंग का काम किया है। उसने कहा कि कुछ देशों की सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाने के लिए उसे कमीशन दिया गया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारतीय हैकरों ने पाकिस्तान के राजनेताओं, जनरलों और राजनयिकों के कंप्यूटरों को हैक कर लिया और उनकी निजी जानकारी को भारतीय खुफिया सेवाओं के इशारे पर चुरा लिया।

उत्तर भारतीय शिवसेना से जुड़ें, उनके लिए हमेशा खुला है हमारे घर का दरवाजा: उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उत्तर भारतीयों को अपनी पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा बीच में उत्तर भारतीय समाज और शिवसेना के बीच दरार पैदा हो गई थी, पर अब हम साथ-साथ हैं। उत्तर भारतीयों के लिए हमारे घर का दरवाजा हमेशा खुला है। उत्तर भारतीय हमारे साथ आएं। उद्धव ने कहा कि उत्तर भारतीय मुंबई आए और मेहनत कर अपनी अलग जगह बनाई और आज यह समाज मुंबई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। बांद्रा स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में पूर्व मंत्री रमेश दुबे की आत्मकथा 'मेरी अमृत यात्रा' का विमोचन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रमेश दुबे की तारीफ करते हुए कहा कि रमेश जी जहां गए, वहां सभी के दिलों में रहे। उन्होंने कहा कि कोई भी अपनी खुशी से अपना घर नहीं छोड़ता। रोजी-रोटी की तलाश में उत्तर भारतीय मुंबई आए और अब इसे ही अपनी कर्मभूमि बना लिया। उत्तर भारतीय हमारे साथ आएं। उपचुनाव के नतीजे पर उद्धव ठाकरे ने कहा अंधेरी उपचुनाव के नतीजे से हम उत्साहित हैं। अब पूर्व और वर्तमान विधायक दोनों मेरे साथ हैं। दुबे भी अंधेरी से विधायक रहे हैं। उद्धव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हमने कभी महाराष्ट्र के हित में बात करते नहीं सुना है, लेकिन अब वे कह रहे हैं कि महाराष्ट्र में 2 लाख करोड़ का निवेश किया जाएगा। जब चुनाव आते हैं, तभी इस तरह की घोषणा की जाती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री असलम शेख ने कहा कि दुबे की आत्मकथा से हमें भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने कहा रमेश दुबे का जीवन संघर्षमय रहा है। तबेले में से निकल कर राजनीति में आए। बीते दिनों को याद करते हुए भुजबल ने कहा कि बालासाहेब ने हमें नेता बना दिया। हमने रमेश दुबे के साथ रूस और अमेरिका की यात्रा की। हमें सिंडिकेट कहा जाता था। अलग-अलग पार्टी में होने के बावजूद हमारे बीच बहुत प्रेम था। पूर्व मंत्री रमेश दुबे ने कहा कि सेवा के माध्यम से राजनीति में आया। निस्वार्थ भाव से काम करने को कोशिश की। हमारे पूर्वजों ने खूब मेहनत की और मेहनत के दम पर खुद को मुंबई जैसे महानगर में स्थापित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अनिल परब, चंद्रकांत त्रिपाठी, शिवसेना सचिव मिलिंद नार्वेकर, शिवसेना नेता सचिन अहिर, पूर्व विधायक योगेश मिश्रा, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह, राजीव दुबे, किरण शर्मा, अशोक देसाई, रामबक्स सिंह, अनिल गलगली, रत्नेश सिंह सहित बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। उत्तर प्रदेश भदोही जिले के रहने वाले रमेश दुबे 11 साल की उम्र में मुंबई आए थे। तबेले में काम किया।

नए समन भेजने के तैयारी में ईडी, सोनिया और राहुल गांधी बढ़ेगी परेशानी

जांच में संदिग्ध ट्रांजैक्शन के बारे में मिली जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए परेशानी और बढ़ सकती है। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने जांच में पाया है कि कांग्रेस के स्वामित्व वाले यंग इंडियन से जुड़े संदिग्ध ट्रांजैक्शन शेल कंपनियों के जरिए किए गए। इसके बाद गांधी परिवार और नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े लोगों को नए समन भेजने की संभावना है। क्योंकि ईडी ने जांच में पाया कि करीब 4-5 करोड़ रुपये का 'संदिग्ध लेन-देन' हुआ है।

केंद्रीय एजेंसी ईडी के सूत्रों ने बताया कि सोनिया और राहुल गांधी के लिए नई मुश्किलें आने वाली हैं। क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में अपनी जांच में कांग्रेस के स्वामित्व वाले यंग इंडियन में

संदिग्ध लेनदेन पाया है। सूत्रों ने कहा कि लगभग 4-5 करोड़ रुपये का लेनदेन मुखौटा कंपनियों के माध्यम से किया गया था। सूत्रों ने कहा कि ईडी पहले ही इन मुखौटा कंपनियों के मालिकों/शेयरधारकों/निदेशकों के बयान दर्ज कर चुकी है। सूत्रों ने बताया कि पवन बंसल, खड़गे,सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित यंग इंडियन के सभी पदाधिकारियों को जल्द ही तलब किया जाएगा। इन संदिग्ध लेन-देन से जुड़े सबूतों को उन्हें दिखाया जाएगा।

गौरतलब है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया और उनके सांसद-पुत्र राहुल गांधी यंग इंडियन के प्रवर्तकों और शेयरधारकों में शामिल हैं। राहुल की तरह सोनिया गांधी के पास भी 38 फीसदी हिस्सेदारी है। यह मामला नेशनल हेराल्ड अखबार के मालिक यंग इंडियन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच से जुड़ा है। नेशनल हेराल्ड, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित किया जाता है और यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व में है। समाचार पत्र कार्यालय एजेएल के नाम से पंजीकृत है। ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में चल रही जांच के तहत अगस्त में दिल्ली में यंग इंडियन के कार्यालय की तलाशी ली थी। छह घंटे से अधिक समय तक चली तलाशी पार्टी के वरिष्ठ नेता खड़गे की मौजूदगी में हेराल्ड हाउस की इमारत में की गई। कांग्रेस पार्टी ने संसद सत्र के ठीक बीच में खड़गे को जारी समन की भी आलोचना की थी।

आज के युवा ही राष्ट्र एवं समाज के भावी कर्णधार: अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि आज के छात्र ही राष्ट्र और समाज के भावी कर्णधार हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारण तथा कठिन परिश्रम करने से ही सफलता मिलती है। इसलिए छात्र अभी से मेहनत करें और स्कूल और देश का नाम रोशन करें। धौलपुर के राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के डायमंड जुबली समारोह के रियूनियन कार्यक्रम में सोमवार को मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में यादव ने स्कूल के कैडेट को भारतीय सेना में शामिल होकर देश का नाम रोशन करने का आह्वान भी किया। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के पूर्व छात्र रहे अखिलेश यादव ने स्कूल के प्रथम प्राचार्य कर्नल केएल घई की प्रतिमा का अनावरण किया। स्कूल में अपने प्रवास के दौरान अखिलेश यादव ने पुरानी यादें ताजा कीं और अपने साथी छात्रों से मुलाकात की। यही नहीं, यादव ने स्कूल की कक्षा 6 और अपने 1990 बैच के छात्रों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। आयोजन में राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल श्याम कृष्णा टीपी सहित अन्य अतिथि, अधिकारी एवं पूर्व छात्र मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने धौलपुर के राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में वर्ष 1983 में तेरह जुलाई को छठी कक्षा में दाखिला लिया था। करीब 10 साल के अखिलेश को उस समय कैडेट और स्कॉलर नम्बर 1108 मिला था। अखिलेश धौलपुर मिलिट्री स्कूल में वर्ष 1990 में 12वीं कक्षा तक पढ़े। इसके बाद वे मैसूर चले गए, जहां से उन्होंने इंजीनियरिंग में स्नातक किया।

कांग्रेस को राजनाथ ने बताया डूबता जहाज, बोले-

अब कोई भी पायलट आ जाए, उड़ान भरना तो दूर यह रनवे पर भी नहीं दौड़ पाएगी

बैजनाथ (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आज भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ में एक चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को डूबता जहाज बता दिया और साथ ही साथ कहा कि अब कोई भी पायलट आ जाए, उड़ान भरना तो दूर यह रनवे पर भी नहीं दौड़ पाएगी। अपने बयान में राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस अब एक ऐसा जहाज है जिसका तेल अब खत्म हो गया है। अब कोई भी पायलट आ जाए, उड़ान भरना तो दूर रनवे पर भी नहीं दौड़ पाएगी। कांग्रेस एक ऐसा डूबता हुआ जहाज है।

अपने संबोधन के शुरूआत में भाजपा नेता ने कहा कि हिमाचल देवभूमि है। यह वीरता, पराक्रम और बलिदान की भी धरती है। यहाँ की मिट्टी में खेल कूद कर बड़े हुए लोगों ने देश के मान, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस का शासन था तो भारत की अर्थव्यवस्था नौवें-दसवें स्थान पर थी। आज मोदीजी के नेतृत्व में भारत दुनिया में पाँचवे स्थान पर है। वह दिन दूर नहीं है जब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के टॉप थ्री देशों में होगी। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की रक्षा ज़रूरत का सामान भारत में बनेगा और भारतीयों के हाथों से बनेगा। उन्होंने दावा किया कि आज भारत का रक्षा निर्यात क़रीब बीस हज़ार करोड़ रुपये तक पहुँचने की स्थिति में आ गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मने हिमाचल प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प किया है। कांग्रेस के लोग कह रहे हैं हम लोग यह काम वोट हासिल करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम समाज को बाँट कर वोट हासिल नहीं करना चाहते। गोवा में समान नागरिक संहिता वर्षों से लागू है। क्या गोवा में समाज टूट गया है। राजनाथ ने कहा कि वर्तमान राजनीति को क्रिकेट के शब्दों में कहूँ तो कहूँगा भाजपा जहां राजनीति की पिच पर 'गुड लेंथ बाल' डेलिवेरी बन चुकी है वहीं कांग्रेस पार्टी एक 'वाइड बाल' बन चुकी है। आम आदमी पार्टी की स्थिति यहाँ 'नो बाल' की है।

यूपी में तेजी से बढ़ रहे डेंगू के मरीज, बनाएं डेडिकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर: शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डेंगू तेजी से पैर पसार रहा है। कानपुर, बरेली, अलीगढ़, फतेहपुर, लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में तेजी से डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। तेज बुखर के चलते मरीजों की मौत भी हो रही है। डेंगू पर नियंत्रण करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को फील्ड पर जाने के निर्देश दिए हैं। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने डेंगू के लगातार बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को सूक्ष्म कार्ययोजना बनाकर डेंगू व मलेरिया से निपटने की नसीहत दी है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुख्यालय स्तर पर डेडिकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित करें।

स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर डेंगू, मलेरिया के मरीजों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाएं। जरूरत पड़ने पर गंभीर मरीजों को स्वयं अस्पतालों में भर्ती कराएं। एके शर्मा ने कहा कि मानीटरिंग की व्यवस्था कोविड जैसी होनी चाहिए। उन्होंने डेंगू, मलेरिया के फैलाव को रोकने के लिए लगातार फागिंग करने और एंटी लार्वा का छिड़काव करने का निर्देश दिया। जलभराव वाले स्थानों एवं नाले नालियों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। टोल फ्री नंबर 1533 की व्यवस्था को पूर्ण रूप से संचालित करने तथा डोर टू डोर नियमित कूड़ा उठा उठाने पर जोर दिया।

नगर विकास मंत्री ने प्रयागराज, अयोध्या एवं गोरखपुर में परिस्थितियों को नियंत्रित करने की जवाबदेही स्थानीय निकाय निदेशक नेहा शर्मा को सौंपी। अलीगढ़, कानपुर व लखनऊ के नगर आयुक्तों को सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ वर्तमान परिस्थितियों से युद्ध स्तर पर निपटने को कहा। अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन, वाराणसी, तथा चित्रकूट व अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों पर डेंगू के रोगियों एवं इसके फैलाव पर विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया। क्योंकि यहां पर तीर्थ यात्रियों का एवं बाहरी लोगों का आना-जाना अधिक होता है। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष डेंगू के कम मामले आएं हैं। वर्चुअल संवाद में सभी निकाय अधिकारियों ने भाग लिया।

गुजरात हाईकोर्ट ने लिया मोरबी पुल हादसे का स्वतः संज्ञान, अधिकारियों से 8 दिन के भीतर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। गुजरात हाईकोर्ट ने मोरबी पुल हादसे का स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने इस मामले में गुजरात सरकार के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने और गृह विभाग सहित अधिकारियों को नोटिस जारी कर सात दिनों के बाद घटना की रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा है। नोटिस जारी करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि मोरबी दुर्घटना का स्वत~ संज्ञान लिया है, हम राज्य सरकार से सख्त कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। उच्च न्यायालय ने कार्यवाही शुरू होने से पहले हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। मुख्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता, सॉलिसिटर जनरल, सरकारी वकील और सभी सरकारी वकीलों सहित उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों ने अपना सम्मान व्यक्त किया। उच्च न्यायालय ने 14 नवंबर को घटना पर रिपोर्ट दाखिल करने के लिए गृह विभाग, शहरी आवास, नगर आयुक्त और मानवाधिकार सहित अधिकारियों को अधिसूचना जारी की। गुजरात उच्च न्यायालय ने एक बयान में कहा, ÷हम राज्य सरकार से सख्त कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। गौरतलब है कि मोरबी कांड में 134 लोगों की मौत के संबंध में प्रकाशित खबरों पर संज्ञान लेने के लिए रजिस्ट्री को नोटिस भी जारी किया गया है। इससे पहले 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ गुजरात के मोरबी में पुल ढहने वाली जगह का दौरा किया था। प्रधानमंत्री ने माच्छू नदी पुल ढहने वाली जगह पर बचाव और राहत कार्यों में लगे लोगों से मुलाकात की। पीएम मोदी और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल घायलों से मिलने मोरबी के सिविल अस्पताल पहुंचे थे।

चुनाव से पहले मुफ्त सुविधाएं देना गरीबों की मदद का सबसे अच्छा तरीका नहीं: अभिजित बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रख्यात अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने कहा कि चुनाव से पहले मुफ्त सुविधाएं देना गरीबों की मदद करने का सबसे अच्छा तरीका नहीं है। उन्होंने कहा कि इसे अनुशासित करने की जरूरत है। अर्थशास्त्री और लेखक श्रेया भट्टाचार्य द्वारा संचालित 'गुड इकोनॉमिक्स, बैड इकोनॉमिक्स' पर एक बातचीत में भाग लेते हुए अभिजित बनर्जी ने विकासात्मक अर्थशास्त्र, अर्थव्यवस्था के व्यावहारिक मॉडल, जीवन संकट की लागत, सामाजिक सुरक्षा, वितरण प्रभाव जैसे कई प्रासंगिक मुद्दों पर बात की। अभिजित बनर्जी ने चुनावों के दौरान मुफ्त सामग्री बांटने पर चिंता जाहिर की और कहा कि इसे अनुशासित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब इससे बाहर निकलना काफी कठिन हो गया है। पारंपरिक और असमानतापूर्ण तरीका लोन राइट ऑफ करना था, लेकिन सबसे बड़े कर्जदार सबसे गरीब नहीं होते हैं। अभिजित बनर्जी ने समाधान की पेशकश करते हुए कहा कि अमीरों पर टैक्स लगाना अच्छा तरीका है। लेकिन चुनाव से पहले गरीबों को सामग्री वितरित करना या मुफ्त में सुविधाएं देना अच्छा तरीका नहीं है। हमारे पास बहुत अधिक असमानता है और अमीरों पर कर लगाने के लिए एक जबरदस्त तर्क है।

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया झारखंड उच्च न्यायालय का आदेश तो बोले हेमंत सोरेन, सत्यमेव जयते

रांची (अखंड लोक)।

झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अपील की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ क्षण बाद, सीएम ने 'सत्यमेव जयते' कहकर प्रतिक्रिया व्यक्त की। झारखंड के सीएम ने सोशल मीडिया का सहारा लिया और 'सत्यमेव जयते' को ट्वीट किया। विशेष रूप से, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि एक कथित खनन घोटाला मामले में उनके खिलाफ झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष दायर जनहित याचिका (पीआईएल) सुनवाई योग्य नहीं थी।

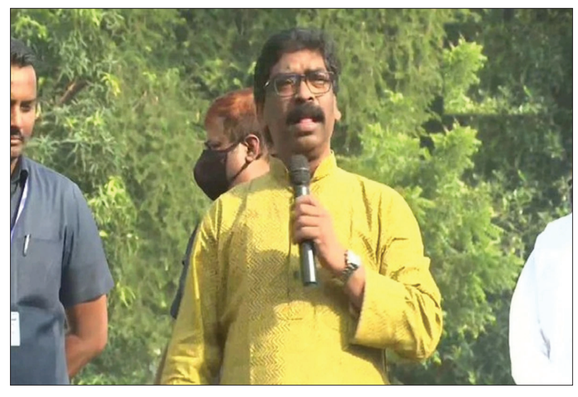

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए झारखंड सोरेन की अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें कथित तौर पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके सहयोगियों से संबंधित मुखौटा कंपनियों के संबंध में एक जनहित याचिका को स्वीकार किया गया था। बता दें कि सीएम हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार ने हाई कोर्ट में इस मामले से संबंधित जनहित याचिका को झारखंड हाई कोर्ट ने सुनवाई योग्य मान लिया था। इसके बाद हेमंत सोरेन ने सुनवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटिशन) दायर की थी।

3 जून को झारखंड हाई कोर्ट ने सोरेन के खिलाफ दो जनहित याचिकाएं लगाईं. इसने अपने 79 पन्नों के आदेश में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और मुकुल रोहतगी (मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के खिलाफ दायर दो जनहित याचिकाओं की स्थिरता पर सवाल) की दलीलों को खारिज कर दिया।

प्रियंका गांधी ने उठाया युवाओं का मुद्दा, बोलीं- वो नौकरी चाहते हैं मगर उनको ड्रग्स मिल रहा

शिमला (एजेंसी)।

हिमाचल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए प्रचार की जिम्मेदारी फिलहाल प्रियंका गांधी ने अपने कंधों पर ले रखा है। प्रियंका गांधी आज ऊना के हरोली विधानसभा क्षेत्र में एक चुनाव प्रचार करने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने फिर से युवाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने युवाओं के रोजगार को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और साफ तौर पर कहा कि युवा परेशान हैं। अपने बयान में प्रियंका गांधी ने कहा कि यहां के युवा परेशान हो गए हैं। वो नौकरी चाहते हैं मगर उनको ड्रग्स मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यहां नशा फैलाया जा रहा मगर रोजगार नहीं दिया जा रहा है। यहां युवाओं की 30 लाख आबादी है और 15 लाख बेरोजगार हैं।

अपने संबेधन में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हिमाचल प्रदेश जिसे देवी-देवताओं व संतों की धरती कहते हैं। इस धरती ने आपको बहुत बड़ी परम्परा दी है- सच्चाई को परखने की परम्परा। जो गलत है, जो सच है, उसे परखिए.. आज वह मौका आ चुका है। भाजपा पर निशाना साघते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नेता चुनाव में आकर डबल इंजन की सरकार कह रहे हैं, क्या पिछले 5 साल में डबल इंजन की सरकार नहीं थी? उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों क्या हुआ, इंजन में तेल भरना भूल गए, क्योंकि सारा तेल बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दे रहे हैं। इसे पहचानिए।

प्रियंका ने सवाल किया कि हिमाचल प्रदेश का युवा बताए- इन 5 सालों में कितनों को रोजगार मिला? उन्होंने कहा कि सरकार का सबसे बड़ा कर्तव्य नौकरी देना होता है।लेकिन भाजपा सरकार के राज में 63000 पद खाली हैं, ये खाली पद भरे क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी की दर सबसे कम है। क्योंकि हमने 5 लाख रोजगार दिए हैं, राजस्थान में भी 1.30 लाख रोजगार दिए हैं। हिमाचल प्रदेश में 63000 पद खाली हैं, यहां के नौजवान परेशान हो चुके हैं। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा के नेता झूठे वादे करते हैं और आप से कहते हैं कि दवाई बार-बार बदलने से बीमारी नहीं छूटती।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 27 साल से गंदी राजनीति और भ्रष्टाचार चल रहा है – केजरीवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राजकोट ग्रामीण, कलावाड़ और जेतपुर में "आप" प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में 27 साल से गंदी राजनीति और भ्रष्टाचार चल रहा है। ये लोग गुजरात को लूट रहे हैं। आपने इनको 27 साल दिए, मुझे केवल पांच साल देकर देखिए। दिल्ली-पंजाब में मैने जो करके दिखाया है, वही करने का वादा गुजरात से कर रहा हूं। मुझे काम करना आता है और मेरी नियत साफ है। मैं बड़ी सोच समझकर कुछ कहता हूं।

उन्होंने कहा, " मैं कभी नहीं बोलूंगा कि आपको 15-15 लाख रुपए दूंगा, क्योंकि मैं नहीं दे सकता। मुझे राजनीति करनी और लच्छेदार भाषण देने नहीं आता है। मुझे स्कूल-अस्पताल, सड़क बनाने और बिजली-पानी का इंतजाम करना आता है।"

उन्होंने कहा कि मोरबी हादसे में कंपनी के मालिक को गिरफ्तार करना चाहिए था, लेकिन उसको बचाने की कोशिश की जा रही है। हादसे में 150 लोग मारे गए, जिसमें 55 छोटे छोटे बच्चे थे, लेकिन एफआईआर में कंपनी और कंपनी के मालिक का नाम तक नहीं है। गुजरात की जनता से अपील करते हुए कहा कि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं है। सात साल से दिल्ली का मुख्यमंत्री हूं, लेकिन एक भी पैसा नहीं कमाया। मुझे आपका सहयोग चाहिए।

वहीं, कलावाड़ में पार्टी के प्रत्याशी ड्रॉक्टर जिग्नेश के समर्थन में रोड शो कर केजरीवाल ने कहा कि कोई दूसरी पार्टी आकर आपसे महंगाई दूर करने की बात नहीं करती है। मुझे महंगाई दूर करनी आती है।

एक मार्च के बाद आपके घर का बिजली बिल आपका यह भाई भरेगा। दिल्ली और पंजाब की तरह एक मार्च के बाद गुजरात में भी 24 घंटे बिजली आएगी और जीरो बिल आएगा। 24 घंटे बिजली और जीरो बिल पूरी दुनिया में कहीं नहीं है।

केजरीवाल के बाद गुजरात चुनाव में नितिश कुमार की एन्ट्री,बीटीपी-जेडीयू के बीच गठबंधन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा, कांग्रेस, आप समेत सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी सियासी गोटियां बिछाने में व्यस्त हैं। गुजरात चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविदं केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की एन्ट्री के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार की एन्ट्री हो गई है। 27 साल पुराने मित्र बीटीपी और जेडीयू फिर एक बार साथ आ गए हैं। भारतीय ट्रायबल पार्टी (बीटीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने आज गठबंधन का ऐलान कर दिया। गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में बीटीपी ने एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया था। जबकि विधानसभा चुनाव के लिए गुजरात की स्थापना दिवस पर आप के साथ बीटीपी ने गठबंधन किया था। हांलाकि कुछ समय बाद बीटीपी ने आप से गठबंधन तोड़ दिया था। अब गुजरात चुनाव के लिए बीटीपी ने जेडीयू के साथ गठबंधन किया है। जेडीयू के गुजरात प्रदेश प्रमुख विश्वजीत सिंघ ने सोमवार को झगडिया में बीटीपी चीफ छोटू वसावा के निवासस्थान पर उनसे मुलाकात की और बाद में गठबंधन का ऐलान किया। छोटू वसावा और विश्वजीतसिंघ ने कहा कि बाजपा, कांग्रेस और आप के 12 बजाने के लिए पहली बार 12 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। आगामी दिनों में बीटीपी और जेडीयू गठबंदन के उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की जाएगी। बीटीपी और जेडीयू का गठबंधन होने से बिहार के मुख्यमंत्री नितिन कुमार के अलावा उनकी पार्टी के नेता ललनसिंह, केसी त्यागी समेत अन्य नेता भी गुजरात में चुनाव प्रचार करने आएंगे। गौरतलब है छोटू वसावा जब जेडीयू में थे तब से अब तक कांग्रेस, भाजपा, एआईएमआई, आप के साथ विधानसभा, राज्यसभा समेत स्थानीय निकाय चुनाव में गठबंधन कर चुके हैं। अब फिर एक बार छोटू वसावा ने जेडीयू के साथ गठबंधन किया है। गुजरात में बीटीपी-जेडीयू का गठबंधन कितना सफल होता है यह चुनाव नतीजों में सामने आएगा।

भाजपा ने लोंच किया 'यह गुजरात मैंने बनाया' बीते दिन कैंपेन, मोदी ने दिया था नारा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते दिन दक्षिण गुजरात के वलसाड में जनसभा को संबोधित करते हुए 'यह गुजरात मैंने बनाया है'

नारा दिया था। भाजपा ने 'यह गुजरात मैंने बनाया है' कैंपेन लोंच कर दिया। भाजपा एक के बाद एक कार्यक्रम के जरिए वोटरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पहले भाजपा ने 'अग्रसर गुजरात कैंपेन' शुरू किया था और उसके जरिए जनता का अभिप्राय लिया जा रहा है। अब भाजपा ने 'यह गुजरात मैंने बनाया है' कैंपेन लोंच किया है। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज गांधीनगर में इस कैंपेन की शुरूआत की। इस कैंपेन के जरिए भाजपा कहना चाहती है कि गुजरात को किस प्रकार गुजरातियों ने समृद्धशाली राज्य बनाया है। किस प्रकार गुजरात को धरोहर का जतन किया गया और किस प्रकार गुजरात में पिछले 25 वर्ष के दौरान भाजपा सरकार ने विकास काम किए हैं। गुजराती किस लिए भाजपा पर भरोसा करें यह बताने के लिए कैंपन लोंच किया गया है।

फिलीपींस की एक महिला से हुआ दिव्यांग युवक को प्यार,फेसबुक ने मिला दिए दिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,कहते हैं कि प्यार किसी जात-पात और अमीरी-गरीबी को नहीं देखता हैं। गुजरात के सूरत से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां पान बेचने वाले एक दिव्यांग युवक की दोस्ती फेसबुक पर फिलीपींस की एक महिला के साथ हुई। बातों का सिलसिला ऐसा चला कि दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। अब दोनों 20 नवंबर को शादी करने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, दसवीं पास सूरत के युवक को अंग्रेजी भाषा भी नहीं आती थी। लेकिन कहते हैं न कि प्यार सब कुछ सिखा देता है। इसतरह ट्रांसलेशन करने के एप्लीकेशन के माध्यम से दोनों के बीच फेसबुक पर चैटिंग होती रही और कुछ सालों के बाद इन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया। शादी के लिए महिला सूरत आ गई है, क्योंकि दोनों यहीं पर शादी करने वाले हैं।

सूरत वराछा क्षेत्र में योगी चौक के पास पान की दुकान चलाने वाले कल्पेश भाई मावजीभाई काछड़िया दिव्यांग हैं। वह चल फिर नहीं सकते। 43 वर्षीय कल्पेश के परिवार में दो बहन और एक भाई हैं। उनके परिवार में सब की शादी हो चुकी है. दिव्यांग होने के कारण वह शादी नहीं करना चाहते थे। फिर 2017 में उन्हें फेसबुक पर 42 वर्षीय रेबेका नामक महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। बाद में दोनों के बीच दोस्ती हो गई। कल्पेश को अंग्रेजी नहीं आती थी इसलिए जब रेबेका का मैसेज आता, तब वह अपने दोस्तों से पूछकर जवाब देते। इसके बाद में अंग्रेजी एप्लीकेशन के माध्यम से जवाब देना शुरुकिया।

उन्होंने अपनी सारी कहानी रेबेका को बता दी कि वह शारीरिक रूप से विकलांग हैं। रेबेका ने भी उन्हें बताया कि उनके पति का देहांत हो चुका है और अब वह अकेली हैं। दोनों एक दूसरे के इतने करीब आ गए कि उन्हें एक दूसरे से प्यार हो गया। रेबेका और कल्पेश पिछले 5 साल से एक दूसरे के संपर्क में हैं। दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे। इसकारण रेबेका ने 2020 में भारत आने का प्लान भी बनाया। उनकी टिकट भी बुक हो गई थी। लेकिन इसी बीच 24 मार्च 2020 को देश में लॉकडाउन लग गया। इस कारण वह भारत नहीं आ सकीं। लेकिन फिर भी दोनों एक दूसरे से संपर्क में रहे। इस बार रेबेका ने तय कर लिया था कि वह भारत आएगी और कल्पेश से शादी करेंगी। अक्टूबर 2022 को दिवाली के दिन रेबेका भारत आ गईं।

प्रेमी की अन्य युवती से सगाई होने से निराश प्रेमिका ने डेम में कूदकर जान दे दी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जूनागढ़,शहर की नोबल कॉलेज की एक छात्रा ने हसनापुर डेम में कूदकर आत्महत्या कर ली। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि मृतक युवती जिस युवक से प्यार करती थी, उसकी सगाई अन्य युवती के साथ हो गई थी। जिससे निराश होकर युवती ने मौत को गले लगा लिया। युवती अपनी एक सहेली के साथ डेम पर गई थी। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ की होस्टेल में रहनेवाली युवती नोबल कॉलेज में पढ़ाई करती ती। गत 2 नवंबर को युवती के लापता होने पर उसके परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस ने जब युवती के फोन पर संपर्क करने के प्रयास किया तो हसनापुर डेम के चौकीदार ने उसे रिसीव किया और कहा कि ये फोन और चप्पल डेम के निकट पड़े थे। इस जानकारी के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम डेम पर पहुंच गई और डेम में युवती की तलाश शुरू कर दी। दो दिन के बाद 5 नवंबर को डेम से युवती का डेम से बरामद हुआ। पुलिस की जांच में पता चला कि मृतक युवती उसी की कॉलेज में पढ़ने वाले एक युवक से प्यार करती थी। युवक की अन्य युवती के साथ सगाई हो गई थी। जिसके बाद युवक ने अपनी प्रेमिका से बातचीत करना बंद कर दी। आत्महत्या करने से पहले युवती ने अपने प्रेमी के साथ कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, वह सफल नहीं हुई। जिससे निराश युवती अपने सहेली के साथ हसनापुर डेम पहुंच गई। जहां अपनी सहेली की नजरों बचकर डेम में छलांग लगा दी। दो दिन तक लगातार तलाश के बाद 5 नवंबर को डेम से युवती का शव बरामद कर उसके फोरेंसिक पोस्टमार्टम के लिए जामनगर भेजा गया। पीएम रिपोर्ट में युवती की मौत पानी में डूबकर होने का खुलासा हुआ है।